RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः165, सोमवार , 23 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में एसपी स्वर्ण प्रभात की पुलिसिंग बनी नज़ीर, अपराधियों में दहशत 03

बिहार को सड़क-सेतु और फोरलेन निर्माण के मद में केंद्र से मिला 33,464 करोड़ रुपये : सुनील कुमार 04

पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में कंगना शर्मा ने बिखेरा हुस्न का जलवा 07

कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत ने बदली रणनीति

ईरान-इजरायल युद्ध ने किया सतर्क,अब इराक पर है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। वैश्विक

व्यापार विश्लेषक कंपनी केपलर के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था। केपलर के अनुसार, पश्चिम एशिया से आयात के लिए पूरे महीने का अनुमान लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन है, जो पिछले महीने की खरीद से कम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत विदेशों से लगभग 51 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है। इसे रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। भारत पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया से कच्चा तेल खरीदता रहा है।

पड़ोसी देशों से रिश्ते हमेशा आसान नहीं होते

एस जयशंकर बोले-लेकिन भारत ने मजबूत समझदारी बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों से हमेशा अच्छे और आसान रिश्तों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लेकिन भारत ने ऐसी समझदारी वाली नीति बनाई है, जिससे चाहे किसी देश में सरकार बदले, रिश्ते फिर भी ठीक बने रहें। जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे हर पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर काम करने से उनका फायदा होता है और न करने से नुकसान। कुछ देशों को इसे समझने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपवाद है, क्योंकि वहां की पहचान सेना के इर्द-गिर्द बनी है, उसमें शुरू से ही भारत के प्रति दुश्मनी भरी रहती है। विदेश मंत्री ने कहा-पहले की सरकारों की नीति में पाकिस्तान को लेकर नरमी थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ रिश्तों में कभी-कभी अनिश्चितता होती है, इसलिए भारत ने उसके साथ ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव बनाए ताकि रिश्ते संतुलित रहें।

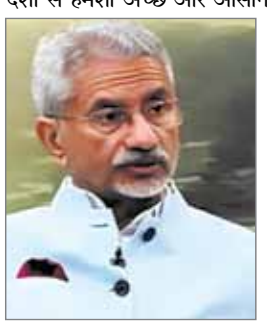

यूपी में अवैध मदरसों पर योगी का ऐक्शन जारी

- संभल के बाद अब नेपाल बॉर्डर से सटे इलाके में बुलडोजर अभियान

श्रावस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अवैध मदरसों पर कार्रवाई जारी है। संभल के बाद अब श्रावस्ती में भी एक अवैध मदरसे पर बुलडोजर चलाया गया। रविवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने इस मदरसे को तोड़ दिया। यह

मदरसा जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में बना था।जमीन सरकारी रिकॉर्ड में खाद गड्ढे के लिए दर्ज थी। मदरसे का नाम जामिया रजविया शम्सुल उलूम था और यह बिना मान्यता के चल रहा था। इससे पहले संभल में भी एक मस्जिद को लोगों ने खुद ही तोड़ दिया था, क्योंकि वह नगर पालिका की जमीन पर बनी थी। श्रावस्ती में जिस मदरसे को तोड़ा गया, वह जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में स्थित था। सरकारी दस्तावेजों में यह जमीन खाद गड्ढे के लिए थी।

साफ दिख रहा मैच फिक्स है, यह लोकतंत्र के लिए जहर

- ईसी के चुनाव का वीडियो जारी न करने पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इलेक्ट्रॉनिक डेटा से संबंधित निर्वाचन आयोग के निर्देश का हवाला देते हुए गंभीर आरोप लगाए। शनिवार को उन्होंने कहा कि साफ दिख रहा है कि मैच फिक्स है जो लोकतंत्र के लिए जहर है। आयोग ने अपने इलेक्ट्रॉनिक डेटा का इस्तेमाल दुर्भावनापूर्ण विमर्श गढ़ने के लिए किए जाने की आशंका जताई। ईसी ने अपने राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगर 45 दिन में चुनाव को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो वे सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और चुनाव प्रक्रिया के वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

आखिर 'युद्ध' में कूदा अमरीका

ईरान में बरसाए बम

- शिया देश के खिलाफ चलाया ऑपरेशन 'मिडनाइट हैमर'
- ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बी 2 बॉम्बर से की बमबारी
- ईरान का पलटवार, इजराइल के 14 शहरों पर मिसाइलें दागीं

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ। ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई।

हमने शुरू किया, अमेरिका ने इसे अंजाम तक पहुंचाया

- ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद बोले नेतन्याहू, ट्रंप को बताया सबसे अच्छा दोस्त

तेल अवीव (एजेंसी)। एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना करीबी मित्र बताया। हिब्रू भाषा में जारी वीडियो स्टेटमेंट में इजरायली पीएम ने कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने जो शुरू किया उसे अमेरिका ने अंत तक पहुंचाया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संघर्ष की शुरुआत से ही ईरान की 'न्यूक्लियर फैसिलिटी' तबाह करने का वादा पूरा कर दिया है। अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी के खिलाफ वह काम पूरा किया है, जिसे 'आईडीएफ' ने 13 जून को शुरू किया था। नेतन्याहू ने कहा, ऑपरेशन की शुरुआत में ही मैंने आपसे यह वादा किया था।

चर्चा की जरूरत नहीं चलता रहेगा ऑपरेशन

अमित शाह बोले-बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे

रायपुर (एजेंसी)। नवा रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एनएफएसयू के रायपुर कैंपस का शिलान्यास किया। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा हाईटेक फोरेंसिक लैब

- राजधानी रायपुर में एनएफएसयू कैंपस का किया शिलान्यास

का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने फिर नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी। शाह ने कहा कि, अब बारिश में भी नक्सलियों को चैन की नींद नहीं सोने देंगे। चर्चा की कोई जरूरत नहीं है, नक्सली अपने हथियार डाल दें। इसके अलावा शाह ने एनएफएसयू को लेकर कहा कि, यहां से ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएट होने का मतलब नौकरी की गारंटी पक्की। बारिश के समय नक्सली थोड़ा आराम कर लेते थे, लेकिन अब बारिश में भी एंटी नक्सल ऑपरेशन चलता रहेगा। बहुत अच्छी सरेंडर पॉलिसी छत्तीसगढ़ में बनी है। हथियार डाल दीजिए। 31 मार्च 2026 को देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप और उद्योगों को बढ़ावा देने में ध्यान देना चाहिए। इसके लिए रायपुर में आई हब की शुरुआत की गई है। युवाओं को विश्वास दिलाता हूं, एनएफएसयू का ग्रेजुएशन मतलब आपके नौकरी की गारंटी है। आने वाले दिनों में सबसे आधुनिक और हरियाली वाली राजधानियों में नवा रायपुर का स्थान होगा। शिलान्यास कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री शाह नवा रायपुर स्थित होटल रिसॉर्ट में छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के हाई रैंक के अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधित उच्चस्तरीय बैठक की। इसके बाद 6.30 से 8.00 बजे तक नक्सल ऑपरेशन पर विशेष समीक्षा बैठक की। बैठक में नक्सल ऑपरेशनों की वर्तमान स्थिति, अंतरराज्यीय समन्वय, खुफिया तंत्र की मजबूती, और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर चर्चा हुई है।

'पानी-पानी' हुए राजस्थान और गुजरात

उफान पर दोनों राज्यों की कई नदियां,बाढ़ जैसे बन गए हैं हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। इस वजह से सिरोही जिले में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भर गया। वहीं, जोधपुर में पुलिया पर पानी के बीच से निकल रही कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से तीन लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के चित्रकूट जिले में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए। गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं की एंट्री रोक दी गई है। गुना जिले के फतेहगढ़ में कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बहने से तीन युवकों की मौत हो गई। उधर गुजरात के उत्तरी इलाकों में भी

भारी बारिश हो रही है। बनासकांठा जिले के अमीरगढ़ में रविवार सुबह दो घंटे में 101.6 एमएम (4 इंच) बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। यहां की स्थानीय नदी कालेडी उफान पर है। इससे आसपास के गांवों में घुटने तक पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, जब 24 घंटे में 65.4 एमएम (करीब 2.5 इंच) से ज्यादा बारिश होती है तो उसे भारी बारिश और इससे ऊपर जाने पर बहुत भारी बारिश की कैटेगरी में रखा जाता है।

सोनम इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी, वहां से बैग गायब

5 लाख रुपए कैश और एक पिस्टल थी, बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के देवास नाका स्थित हीराबाग कॉलोनी में लोकेंद्र सिंह तोमर से बिल्डिंग ठेके पर लेकर किराए पर चलाने वाले शिलाम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार को हिरासत में लिया बाद में सबूतों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शिलाम पर सबूत छिपाने का आरोप है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शिलाम की मेडिकल जांच कराई जाएगी। ट्रांजिट रिमांड के बाद उसे शिलॉन्ग ले जाया जाएगा। दरअसल, पुलिस को जांच में पता चला था कि जी-1 फ्लैट, जहां सोनम रुकी थी, वहां से एक बैग गायब किया गया है। इस बैग में करीब 5 लाख रुपए नकद और एक पिस्टल थी, जो सिकलीगरों से खरीदी गई थी। शिलॉन्ग पुलिस ने बताया कि आरोपी विशाल ने पूछताछ में कबूला था कि उन्होंने राजा की हत्या की योजना बनाई थी। इसके लिए फ्लैट में एक बैग में 5 लाख रुपए और एक पिस्टल रखी गई थी। पुलिस को आशंका है कि फ्लैट की दूसरी चाबी से ताला खोलकर शिलाम जेम्स वह बैग अपने साथ ले गया। शिलॉन्ग पुलिस और क्राइम ब्रांच दो दिन से शिलाम को पूछताछ के लिए बुला रही थी, लेकिन वह नहीं पहुंचा। शनिवार को उसकी लोकेशन ट्रेस करने के बाद पुलिस ने देवास नाका क्षेत्र से उसे हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए साथ ले गई। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

20 महिला कैदियों के साथ जेल में रहेगी सोनम

सोनम को शिलांग की जिस जिला जेल में भेजा गया है, उसमें 20 महिला कैदी भी बंद हैं। पर्यटन स्थल पर हुई इस घटना से मेघालय की बदनामी हुई है। आरोपितों से लोग नाराज हैं। लिहाजा जेल में कड़ी सुरक्षा के बीच में इन्हें रखा गया है। विशाल, आनंद, आकाश और राज भी इसी जेल में रहेंगे।

जेल में गुजरेंगी सोनम और राज की रातें, 14 दिन की हिरासत

ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपित सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज की रिमांड खत्म होने के बाद मेघालय पुलिस ने उन्हें शिलांग के एडीजे कोर्ट में पेश किया। यहां से दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसपी (शिलांग) विवेक सिम के मुताबिक राज और सोनम से पूछताछ पूरी हो चुकी है। उधर, मप्र पुलिस की अपराध शाखा के साथ छानबीन में जुटे एसीपी एसएस सांभा और एसआई करण को शनिवार सुबह अहम सुराग हाथ लगे। दोनों अफसर काले रंग का एक बैग तलाश रहे हैं। उसमें एक पिस्टल और पांच लाख रुपये नकद होने की बात सामने आई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पता लगाया कि बैग पोर्टर के माध्यम से आटो रिक्शा से आया था। इसी आधार पर पुलिस ने आटो रिक्शा चालक सुनील उछावने से पूछताछ की। उसने बताया आरोपितों ने ऑनलाइन ऑटो रिक्शा बुक किया था। वह शहर के नंदबाग पहुंचा और बैग ले लिया। लंबे बाल वाले एक युवक ने बैग रखा और कहा कि लोकेशन पर पहुंचा दो।

शिकंजे में दो और गद्दार, पाक के लिए कर रहे थे जासूसी

पंजाब में चढ़े पुलिस के हत्थे,आईएसआई कर रही है खेल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आईएसआई के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और साहिल मसीह उर्फ शाली के रूप में हुई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने यह जानकारी दी है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर (ग्रामीण) पुलिस ने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में 2 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि गुरप्रीत सिंह पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में था। वह पेन ड्राइव के माध्यम से देश की संवेदनशील और गोपनीय जानकारी साझा कर रहा था। ये दोनों आरोपी आईएसआई के मुख्य हैंडलर की राणा जावेद के साथ संपर्क में थे। दोनों आरोपी आईएसआई से वॉट्सएप कॉल के जरिए संपर्क करते थे।

संक्षिप्त समाचार

पटना यूनिवर्सिटी ने कॉलेज बदलने के लिए बढ़ाया समय, अब 25 जून तक अप्लाई कर सकते हैं स्टूडेंट्स

पटना। पटना यूनिवर्सिटी में चार वर्षीय ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन के लिए सेकेंड मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद कई छात्रों को कॉलेज बदलने में स्लाइड अप में परेशानी आ रही थी। इसे देखते हुए यूनिवर्सिटी ने स्लाइड अप के लिए 25 जून तक का समय दिया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से कहा गया कि स्नातक के पहले लिस्ट में एडमिशन लिए कुछ छात्र स्लाइड अप प्रक्रिया ठीक से नहीं समझ पाए थे, जिसके कारण वे प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए और स्लाइड अप से वंचित रह गए। इसलिए प्रथम मेधा सूची में नामांकित छात्रों को दूसरी मेधा सूची में नामांकित छात्रों के साथ एक बार फिर स्लाइड अप का विकल्प 25 जून के शाम 4 बजे तक दिया जाता है। दरअसल, एडमिशन के लिए सेकेंड मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद शुक्रवार को 100 के करीब स्टूडेंट्स मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर डीन ऑफिस पहुंचे और परेशानियों को साझा किया था। विद्यार्थियों ने बताया कि सेकेंड मेरिट लिस्ट के लिए स्लाइड अप करने के बावजूद 300 के करीब स्टूडेंट्स का स्लाइड अप नहीं हुआ और फर्स्ट मेरिट लिस्ट का कॉलेज ही सेकेंड मेरिट लिस्ट में मिला है। विद्यार्थियों ने कहा कि वेबसाइट में परेशानी से ऐसा हुआ है।

बीसीए ने बढ़ाई बिहार रूरल लीग रजिस्ट्रेशन की तारीख, अब 27 जून तक खिलाड़ी कर सकते हैं अप्लाई

पटना। बिहार के गांव-गांव से क्रिकेट खिलाड़ियों को खोज निकालने के उद्देश्य से BCA द्वारा बिहार रूरल लीग (BRL) 2024-25 का आयोजन किया जा रहा है। BCA इसके लिए रजिस्ट्रेशन कर रहा है, जिसकी तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। अब खिलाड़ी 27 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में केवल 13 से 23 साल के उम्र के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जो बिहार राज्य के स्थाई निवासी हों। अब तक पूरे राज्य से लगभग 11,000 खिलाड़ियों ने इस लीग के लिए रजिस्ट्रेशन किया है। BCA के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा कि राज्य भर से मिल रहे जबरदस्त उत्साह और भागीदारी को देखते हुए इसके रजिस्ट्रेशन तिथि को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। BCA अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा कि बिहार रूरल लीग हमारे उन नौजवान खिलाड़ियों के लिए समर्पित है, जिन्हें अब तक किसी भी कारणवश मुख्यधारा के क्रिकेट से जुड़ने का अवसर नहीं मिला। हमारा उद्देश्य है कि राज्य के कोने-कोने से क्रिकेट प्रतिभाओं को सामने लाया जाए और उन्हें आगे बढ़ने का मंच दिया जाए। इस लीग के माध्यम से हम न केवल प्रतिभा की खोज करेंगे, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और पहचान भी देंगे। खिलाड़ियों का चयन पंचायत से ब्लॉक और फिर जिला स्तर तक टैलेंट हंट के माध्यम से किया जाएगा। हर जिले में 16 टीमों के गठन के लिए टैलेंट हंट होगा। हर जिले में 15 मैच यानी कि कुल 570 मैच होंगे। जिलों की विजेता टीमों से सुपर लीग के लिए 38 टीमों का गठन होगा। सुपर लीग में 79 मैच खेले जाएंगे, यानी कि कुल 649 मैचों का आयोजन होगा। फाइनल में एक सेलिब्रिटी, एक राष्ट्रीय खिलाड़ी और ब्रांड एम्बेसडर होंगे शामिल। इस आयोजन में लगभग 10,000 खिलाड़ी के भाग लेने का अनुमान है।

राजद से जुड़े ठेकेदार इंजीनियर सुनील को ईओयू की नोटिस विधायकों के खरीद-फरोख्त से जुड़ा है मामला

पटना। RJD से जुड़े बड़े ठेकेदार और इंजीनियर सुनील से आर्थिक अपराध इकाई (EOU) पूछताछ करेगी। इसके लिए ठेकेदार के घर जांच एजेंसी की ओर से नोटिस भेजी गई है। मामला पिछले साल पटना के कोतवाली थाना में दर्ज हुए विधायकों के खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। दरअसल, शनिवार को आधिकारिक बयान जारी कर खुद EOU ने पूछताछ के लिए ठेकेदार को नोटिस भेजे जाने की पुष्टि की है। नोटिस इनके पटना में किदवईपुरी और वैशाली में गंगा बृज थाना के तहत सहदुल्लापुर गांव स्थित घर पर भेजी गई है। उनसे इस केस की जांच और पूछताछ में सहयोग करने को कहा गया है। दरअसल, पिछले साल जब JDU और BJP के गठबंधन की सरकार बनी तो विधानसभा के फ्लोर टेस्ट में इन्हें विश्वासमत हासिल करना था। उस दौरान बीमा भारती JDU की विधायक थीं। अचानक से यह बात सामने आई कि जदयू के विधायकों पर महागठबंधन के पक्ष में वोट करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। विधायक कृष्ण मुरारी शरण को मंत्री पद का ऑफर दिया गया है। जबकि, मधुबनी के हरलाखी से विधायक सुधांशू शेखर को महागठबंधन के पक्ष में वोट करने के लिए 10 करोड़ रुपए का ऑफर दिया गया है। इसके अलावा विधायक बीमा भारती और दिलीप राय को किडनैप किए जाने का आरोप लगा था। इस मामले में JDU विधायक सुधांशू शेखर ने पटना के कोतवाली थाना में एक FIR दर्ज कराई थी। शुरुआती जांच में ही इस केस को EOU ने टेक ओवर कर लिया था। वहीं जब इनकी टीम ने जांच शुरू की तो उन्हें विधायकों को खरीदने के लिए अवैध धन के इस्तेमाल के सबूत मिले थे। साथ ही दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल में बैठे लोगों का कनेक्शन भी सामने आया था। अब एक बार फिर से EOU ने इस केस में अपनी जांच तेज कर दी है।

मॉर्निंग वॉक के दौरान करंट लगने से किसान की मौत

हाजीपुर। वैशाली के में मॉर्निंग वॉक के दौरान बिजली के तार की चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। घटना राजापाकड़ थाना क्षेत्र के बाकरपुर गांव की है। मृतक की पहचान हरपुर मुकुंद गांव निवासी हरेराम सिंह के बेटे प्रमोद सिंह (50) के रूप में हुई है। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में दो बेटियां और दो बेटे हैं। प्रमोद सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। वे अपने घर से लगभग 300 मीटर दूर सुरेश सिंह के खेत के पास पहुंचे। खेत की फसल की सुरक्षा के लिए बिजली के तार से घेरा लगाया गया था। इस तार के संपर्क में आने से प्रमोद की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक के परिवार ने इस घटना की जांच की मांग की है। साथ ही, उन्होंने उचित मुआवजे की भी मांग की है। परिवार ने कहा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। थाना अध्यक्ष ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का 23 जून को सीएम करेंगे उद्घाटन

हाजीपुर। वैशाली में कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन 23 जून को होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस पुल का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहेंगे। यह पुल बिदुपुर-राघोपुर दियारा को पटना से जोड़ेगा। हालांकि अभी तक दियारा क्षेत्र के लोगों को पटना आने-जाने के लिए नावों पर निर्भर रहना पड़ता था। पुल बनने से सड़क मार्ग से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। यात्रा का समय भी कम होगा। कच्ची दरगाह से राघोपुर तक पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। राघोपुर से बिदुपुर तक का निर्माण कार्य जारी है। 23 जून को राघोपुर से पटना की ओर बने पुल खंड का उद्घाटन किया जाएगा। स्थानीय किसानों के लिए यह पुल वरदान साबित होगा। वे अब सीधे पटना मंडी में अपनी उपज बेच सकेंगे। इससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलेगा। कर्ज में खेती करने वाले किसानों को भी राहत मिलेगी। पुल से क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के नए अवसर बनेंगे। स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बैंकिंग सुविधाएं आसानी से मिलेंगी। बेहतर परिवहन व्यवस्था से क्षेत्र में उद्योग लगाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। यह पुल बिहार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। दियारा क्षेत्र के हजारों लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा। वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ पाएंगे। पुल के बनने से पूरे क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य बदलेगा।

राघोपुर का पीपा पुल बंद, गांवों का संपर्क टूटा, परेशानी बढ़ी

एजेंसी, पटना

- 6 महीने तक नाव से ही करना होगा सफर
- ग्रामीण बोले- स्थायी पुल का हो निर्माण

पटना से राघोपुर दियारा को जोड़ने वाला रुस्तमपुर-कच्ची दरगाह पीपा पुल रविवार से बंद कर दिया गया है। इससे दो दर्जन गांवों का पटना से सीधा सड़क संपर्क टूट गया है। अगले 6 महीने तक क्षेत्र के हजारों लोगों को गंगा नदी पार करने के लिए नावों का सहारा लेना होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल निगम और ठेकेदार ने जल्दबाजी में यह फैसला लिया है। नदी में जलस्तर अभी इतना नहीं बढ़ा है कि पुल को बंद करना जरूरी हो। स्थानीय निवासी आनंद कुमार ने बताया कि अप्रोच रोड से काफी नीचे पानी है। पुल एक सप्ताह और चल सकता था।

स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ीः राघोपुर, जुड़ावनपुर, चकसिंगार, मल्लिकपुर, सैदाबाद, पहाड़पुर, रामपुर, बिदुपुर के गोकुलपुर और विसनपुर सहित कई गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं। मजदूर, सब्जी विक्रेता, दूध विक्रेता और कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों को अब एक घंटा पहले निकलना होगा। नाव का अतिरिक्त किराया भी देना होगा। रात और दिन में ओवरलोड नावों में यात्रा करने का खतरा बना रहेगा। शादी-ब्याह के मौसम में पुल का बंद होना लोगों की परेशानी और बढ़ा रहा है।

स्कूल पहुंचने में होती है देरीः स्कूली छात्रों को भी इस फैसले से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्र सुबोध कुमार ने बताया कि हम लोगों को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो काफी देर से स्कूल पहुंच पाते हैं। नाव से आने-जाने में भी बहुत डर लगता है।

पीपा पुल को खोलने का आदेश : अधिकारीः पुल निर्माण निगम के अधिकारी ने बताया कि सभी पीपा पुलों को खोलने का आदेश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीपा पुलों को 15 जून तक ही चालू रखने की समय सीमा निर्धारित थी और मानसून तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे खोल दिया गया है।

स्थायी पुल के निर्माण की है मांगः राघोपुर दियारा क्षेत्र से करीब 50 हजार लोगों का रोजना आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोग लंबे समय से एक स्थायी पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र की आबादी 3 लाख से अधिक है और प्रतिदिन हजारों लोग काम-काज, शिक्षा और चिकित्सा के लिए पटना आते-जाते हैं। इसके बावजूद सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। प्रमिला देवी और ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बरसात के दिनों में जब नदी का कटाव होता है, तो लोगों को और भी अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां पर 6 पाए वाला पुल बनाना बहुत जरूरी है। यह स्थायी पुल न केवल आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति देगा।

डबल मर्डर में आरोपी राहुल गिरफ्तार, बिक्रम में 2 युवक को मारी थी गोली

पटना। बिक्रम थाना इलाके में हुई दो लोगों की हत्या में शामिल अपराधी जल्लाद उर्फ राहुल को पुलिस ने दनारा मोड़ दुर्गा मंदिर से गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में राहुल मुख्य साजिश के साथ-साथ लाइनर की भी भूमिका में था। SP पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश में हत्या की गई है। इस मामले में सुजीत और रणधीर पासवान को जेल भेजा गया था। अभी अनुसंधान जारी है।

इस मामले में और लोगों की भी संलिप्तता सामने आई है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। जमीन से संबंधित विवाद में इनकी ओर से बिक्रम थाना के चौकीदार धर्मेंद्र पासवान की हत्या की गई थी। चौकीदार जो थे, इस मारने वाले गैंग के रिश्तेदार थे। इसी बदले की नियत से इन लोगों के द्वारा दूसरे पक्ष के दो लोगों की हत्या की गई थी। 10 जून को बिक्रम थाना अंतर्गत बाइक सवार दो युवकों सोनू कुमार और रोशन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शव मझौली सिंघाड़ा मार्ग के पास से बरामद हुआ था। दोनों बाघाकोल फरीदपुर गांव के रहने वाले थे। चौकीदार की हत्या के मामले में जेल भी गए थे। जेल से छुटकर हाल ही में आए थे।

पुलिस जिप्सी को ट्रक ने मारी टक्कर, 5 पुलिसकर्मी घायल

पटना के गायघाट चौक पर रात्रि गश्ती के दौरान हुआ हादसा, एक की हालत गंभीर

एजेंसी, पटना

पटना में रविवार की सुबह गायघाट चौक के पास रात्रि गश्ती पर निकली पुलिस जिप्सी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में जिप्सी में सवार पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना आलमगंज थाना क्षेत्र में की है। घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (PMCH) में भर्ती कराया गया। चार पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। एक पुलिसकर्मी को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है।

हिरासत में ट्रक चालकः आलमगंज थाना प्रभारी राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि दुर्घटना के समय एडिशनल SHO पुलिस बल के साथ गश्त पर थे। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक और चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

सम्राट चौधरी ने लालू को बताया बिहार का गब्बर बोले- लोगों को डर है कही लालू न आ जाए

एजेंसी, पटना

- चुनाव जीते तो विकास की बहार लाएंगे

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल और उसके नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा है। सम्राट चौधरी ने रविवार को आवास पर प्रेस वार्ता में कहा कि अगर बिहार में कोई गब्बर है तो वह लालू प्रसाद यादव हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव के सत्ता में आने पर लोग डर जाएंगे।

बिहार को लूटने वाला परिवार हैः सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि यह परिवार बिहार को लूटने वाला है। लालू यादव के शासन में केवल 12 लाख लोगों को पेंशन मिलता था, आज 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को पेंशन दी जा रही है। आज के बिहार में सीएम हाउस से अपराध नहीं होता। VVIP इलाकों में भी अगर घटना होती है तो उसपर कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने का फ़ैसला नीतीश खुद करेंगे, इसे लालू परिवार तय नहीं करेगा। इस वजह से लालू परिवार को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

2025 से 2030 तक बिहार में विकास की बयार लाएंगेः उन्होंने कहा कि बिहार में 25 से 30 तक का समय बेहद अहम रहेगा। इस दौरान विकास की गति तेज़ की जाएगी। पिछले तीन दिन बिहार के लिए ऐतिहासिक रहे हैं। यह समय "विकास और बारिश की बौछार" वाला समय है। 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आए और 10,000 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन किया। सम्राट ने इसे बिहार के विकास का नया अध्याय बताया।

सीएम नीतीश कुमार ने पेंशन योजनाओं में बड़ा बदलाव कियाः नीतीश कुमार ने दिव्यांग, वृद्धा और विधवा पेंशन में बदलाव करते हुए राशि को 400 रुपया से बढ़ाकर 1100 रुपया कर दिया। इससे लगभग 13,000 करोड़ का अतिरिक्त व्यय होगा। हर पंचायत में कन्या विवाह के लिए भवन बनाया जाएगा, ताकि बेटियों के विवाह में सहूलियत मिले। बिहार सरकार ने 1.4 लाख जीविका दीदियों की सैलरी दोगुनी कर दी है। 94 लाख परिवारों के लिए योजनाओं को लागू किया गया है।

मां सीता के जन्मस्थान पर बनेगा भव्य मंदिरः गृह मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संकल्प को पूरा करते हुए सीएम ने सीता माता के मंदिर निर्माण को स्वीकृति दे दी है। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। बिहार को केंद्र सरकार की ओर से 33 हजार करोड़ रुपए की सड़क योजना की स्वीकृति मिली है। इससे प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। जो लोग विकास ढूंढ़ रहे हैं वे पटना एयरपोर्ट, पटना-बेगूसराय और पटना-मुजफ्फरपुर मार्ग को देखें। विकास जमीनी स्तर पर साफ दिख रहा है।

'तेरे मेरे सपने' प्रोग्राम की शुरुआत कर रहा महिला आयोग प्री मैरेज कपल से बात करेगा राष्ट्रीय महिला आयोग

एजेंसी, पटना

- तलाक की बढ़ती संख्या कम करने की कोशिश

शादी होने के तुंरत बाद तलाक के कई मामले इन दिनों सामने आ रहे हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग 'तेरे मेरे सपने' प्रोग्राम लेकर आ रही है। इस कार्यक्रम के तहत शादी से पहले आयोग की टीम कपल से बातचीत करेगी। दोनों पक्षों की बात सुनी जाएगी। उनके विचार को जानेगी, दोनों के कंपैटिबिलिटी को देखेगी। यह जानकारी राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने दी। वह आज पटना पहुंची थी।

सीतामढ़ी और पूर्वी चंपारण में करेंगी जनसुनवाईः ममता कुमारी ने कहा कि मैं तीन दिन के प्रवास पर बिहार आई हूं। बिहार राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित 'महिला आयोग आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत मैं 24 जून को सीतामढ़ी में जनसुनवाई करुंगी। वहां के महिला हेल्पलाइन, महिला थाना में विजिट करूंगी और फिर डीएम के साथ बैठक भी होगी। 25 जून को पूर्वी चंपारण में जनसुनवाई होगी। दोनों जिला मिलकर लगभग 120 केस की सुनवाई होगी।

पटना आने पर खुशी जाहिर कीः उन्होंने पटना आने पर खुशी जाहिर की और कहा मैं बधाई देती हूं कि बिहार में राज्य महिला आयोग का गठन हुआ है। हमारी महिलाओं और वृद्धों के लिए सरकार ने पेंशन मे वृद्धि की है उसके लिए महिला आयोग को बधाई। यहां की पीड़िता को अपनी सुनवाई के लिए दिल्ली न जाना पड़े इसलिए राष्ट्रीय महिला आयोग खुद चलकर बिहार आई है और वह जिलों में जाकर केस का निष्पादन करेंगी।

बिहार में जल्द खुलेगा काउंसलिंग सेंटरः उन्होंने जानकारी दी कि बिहार में जल्द काउंसलिंग सेंटर खुलेगा। इसके लिए लेटर आ चुका है। डीएम को जगह निर्धारित करनी है। यहां से नामित हुए नाम राष्ट्रीय महिला आयोग जाएंगे। फिर वहां पर ट्रेनिंग दिया जाएगा। उसके बाद काउंसलिंग सेंटर खोले जाएंगे। यह प्रोसेस पूरे देश में लागू है। अभी तक देश के 70 जिला में यह काउंसिलिंग सेंटर खुल चुका है।

घरेलू हिंसा और साइबर के ज्यादा मामले आते हैंः बिहार में ज्यादा केस घरेलू हिंसा और साइबर के मामले है, जिनका निष्पादन नहीं हो रहा है। इसके लिए राष्ट्रीय महिला आयोग लगातार काम कर रहा है। मगर हाल के दिनों में महिलाओं मे जागरूकता बढ़ी है। मोबाइल, इंटरनेट से जुड़कर वह जागरूक हुई हैं। उन्हें पता है कि अपनी परेशानी को कहां रखना है।

ट्रेन की चपेट में आने से छात्रा की मौत

एजेंसी, पटना

बाढ़ रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद ट्रैक क्रॉस कर रही थी, ओखा गुवाहाटी एक्सप्रेस से कटी

बाढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर ओखा गुवाहाटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत हो गई। मृतक की पहचान कन्हाईपुर गांव की रहने वाली 20 वर्षीय प्रीति कुमारी के रूप में हुई है। प्रीति रोजाना की तरह सुबह लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए ट्रेन से बाढ़ आई थी। दोपहर 12 बजे प्लेटफॉर्म पर ट्रैक पार करते समय वह ओखा गुवाहाटी एक्सप्रेस की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शव को ट्रैक से हटाया गयाः रेलवे जीआरपी के जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को ट्रैक से हटाया। फिर रेल यातायात बहाल किया। पुलिस ने मृतक के पास से एक स्कूल बैग और मोबाइल फोन बरामद किया है। शव को रेल थाना के बाहर रखा गया है।

रेल थाना के सब इंस्पेक्टर नीतीश कुमार ने बताया कि मृतका के मोबाइल पर आए परिजनों के कॉल से उन्हें घटना की सूचना दी गई है। परिजनों के आने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेजा जाएगा। मृतका के पिता अनिल पासवान किसान हैं।

लालू यादव ही रहेंगे राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के अंदर नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं पर अब पूर्ण विराम लग गया है। पार्टी के प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने साफ कर दिया है कि RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लालू प्रसाद यादव ही बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के तमाम कार्यकर्ता और नेता इस पर पूरी तरह एकमत हैं और सभी की भावना यही है कि लालू यादव ही पार्टी की कमान संभालते रहें। अब्दुल बारी सिद्दीकी ने जानकारी दी कि लालू प्रसाद यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए कल नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर छोटा-बड़ा नेता यही चाहता है कि लालू यादव पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्व पद पर बने रहें। उन्होंने यह भी कहा भले ही लालू प्रसाद यादव स्वास्थ्य कारणों से ज्यादा सक्रिय नहीं रह पा रहे हैं, लेकिन पार्टी के तमाम कार्य अब भी उनकी निगरानी में लगातार हो रहे हैं।

फरवरी में उद्घाटन, अब तक बिहटा सीएचसी में लगा ताला

एजेंसी, पटना

- कोई डिवाइस-सामान भी नहीं, 7.5 करोड़ की लागत से निर्माण, अब 10 दिन में शुरू करने का आश्वासन

बिहटा में 8 करोड़ रुपए की लागत से बना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उद्घाटन के चार महीने बाद भी शुरू नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 21 फरवरी 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस अस्पताल का उद्घाटन किया था। BMSICL संस्थान द्वारा निर्मित इस अस्पताल में चार महीने बाद भी ताला लटका हुआ है। अस्पताल में न तो कोई सामान है और न ही कोई स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

10 दिनों में अस्पताल शुरू करने का आश्वासनः स्थानीय अधिकारियों ने कई बार संस्थान के अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में वो अस्पताल को अपने अधिकार में लेने से मना कर रहे हैं। स्थानीय निवासी कुश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में पटना के सिविल सर्जन से हुई है। सिविल सर्जन ने 10 दिनों में अस्पताल शुरू करने का आश्वासन दिया है। वहीं क्षेत्र के लोगों में सरकारी धन की बर्बादी और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर नाराजगी है। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रखंड के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें, इसलिए अस्पताल को जल्द से जल्द चालू किया जाए। आगे उन्होंने कहा कि कहीं ना कहीं किसी की लापरवाही तो है, जिसके कारण अभी तक इस अस्पताल को स्थानीय अधिकारियों को नहीं सौंपा गया। हमारी मांग है कि इसे जल्द से जल्द चालू किया जाए ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिले।

संस्थान के द्वारा कोई सामान या उपकरण नहीं मिलाः हालांकि जब इस संबंध में बिहटा प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार से बात की गई उन्होंने कैमरा पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने बताया कि BMSICL संस्थान के द्वारा लगभग 7.5 करोड़ की लागत से बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किया गया था। संस्थान के द्वारा अभी तक अस्पताल में कोई भी स्वास्थ्य से जुड़े उपकरण या सामान नहीं दिया गया है, जबकि संस्थान के द्वारा इसे देना था। इसके कारण हम लोग इसे नहीं ले रहे हैं। कई बार इसकी शिकायत संस्थान के अधिकारियों और पटना जिला प्रशासन के अधिकारियों से की गई, लेकिन अभी तक इसे चालू सुचारू रूप से नहीं किया गया है। जब तक चालू नहीं किया जाए तब तक हम लोग इसे अधिकार नहीं लेंगे।

इलाके के लोगों को मिलेगी सुविधाः वहीं अस्पताल के शुरू हो जाने से इलाके के लोगों को काफी आसानी होगी। इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल में फिलहाल अभी 30 बेड की सुविधा होगी। इसके अलावा कई आधुनिक सुविधा जैसे जांच लैब, X-RAY के अलावा जन औषधि दवा केंद्र भी इस अस्पताल में बनाए गए हैं। इसके अलावा डॉक्टर की भी संख्या बढ़ेगी, जिससे लोगों को इलाज में कोई परेशानी भी नहीं होगी।

योग दिवस राष्ट्र निर्माण की साधना का दिव्य आरंभ है- प्राचार्य

बीएनएम। मोतिहारी

एक माह के ग्रीष्मकालीन अवकाश उपरांत 21 जून शनिवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय खुलने के बाद विद्यार्थियों से गुलजार रहा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पुनीत अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में शनिवार को आहूत योगाभ्यास चेतना कार्यक्रम में योग कर सदा निरोग रहने का संकल्प लिया गया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने योग प्रशिक्षक संजीव कुमार व खुशबू कुमारी को अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने योगशाला के योगाभ्यासियों को संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की साधना का दिव्य आरंभ है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं बल्कि व्यक्ति को तन, मन और आत्मा से संतुलित बनाना है योग इसी संतुलन की साधना है। यहां के छात्र और वॉलिंटियर्स न केवल शिक्षा में बल्कि योग, धर्म और सेवा जैसे विभिन्न आयामों में भी समर्पण और सहभागिता का सदा परिचय दिया है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह ने इस सामूहिक योग शिविर में ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के थीम "वन अर्थ वन हेल्थ" के लिए योग को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक समावेशी उत्सव है जो सीमाओं, धर्मों और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है। यह व्यक्तिगत कल्याण और सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करता है। प्रातः काल महाविद्यालय परिसर में आहूत योगशाला में योगगुरु संजीव कुमार और खुशबू ने योगाभ्यासियों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान कराते हुए कहा कि योग चार तरीकों से किया जाता है - खड़ा होकर, बैठकर, पेट के बल पर एवं पीठ के बल पर। योगगुरु के निर्देशन में शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों व स्वयंसेवियों ने विभिन्न प्रकार के आसन, प्राणायाम एवं ध्यान कर इसे जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। योगाभ्यास के उपरांत स्वामी विवेकानंद सभागार में कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा द्वारा विगत दो वर्षों से सक्रिय एनएसएस स्वयंसेवियों को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र का वितरण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.रविरंजन सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने दिया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले सक्रिय एन एस एस स्वयंसेवियों में राकेश कुमार शर्मा, प्रिंस कुमार, शिवपूजन, शत्रि कुमार झा, शाईस्ता प्रवीण, सुफिया अंजुम, नवीन कु.झा, अंशिका अनुरंजिनी, धृति राज, शिवम्, बेबी, पूजा, उत्कर्ष, कविता, आदित्य, उजाला, राहुल, श्वेता, सदरे आलम, सुचिता, मनोज, शुभांगी, अवनीश व संध्या उपस्थित थे। योगाभ्यास चेतना कार्यक्रम में योगप्रेमियों की ओर से डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, प्रो.राकेश रंजन कुमार, डॉ.कुमार राकेश रंजन, डॉ. जौवाद हुसैन, राजीव कुमार, संजीव किशोर, राघव शरण, सानिया, आराध्या, निक्की, संध्या, ज्योति, गुलशन, कोमल, लक्की, रूचिका, अंजलि, अभिषेक, कुंदन, विकास सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी, एनएसएस वॉलिंटियर्स, कैडेट्स, विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

विधायक ने बाढ़ पीड़ितों से की मुलाकात

बीएनएम। चतरा

सिमरिया विधायक उज्जवल दास ने टंडवा का दौरा किया। इस दौरान बाढ़ पीड़ितों से उन्होंने मुलाकात किया। दास एक एक घर जाकर मुआयना किया और वस्तुस्थिति की जानकारी ली। बाढ़ पीड़ितों की हालत देखकर विधायक एनटीपीसी के खिलाफ नाराजगी जाहिर किया। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी की ओर से समय पर बराज नही खोलने के कारण यह घटना हुई है। स्थल से ही उन्होंने एनटीपीसी परियोजना प्रमुख से बातचीत किया तथा सख्त निर्देश दिया कि गेरुवा पुल के पास से बाढ़ का पानी घुसने वाले स्थल को ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि एक माह बाद पुनः दौरा करूंगा तबतक सारी विसंगतियां दूर हो जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने पिछले तीन बार हुई क्षतिपूर्ति का मुआवजा एनटीपीसी को देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एक दुकानदार कर्ज लेकर दुकान शुरू करते है और कंपनी की गलती से दुकानदारों का भविष्य उजड़ गया। दास ने डीसी, सीओ व बीडीओ से

भी मामले को लेकर बातचीत की। उपायुक्त ने विधायक को आश्वस्त किया कि मामले की जांच को लेकर पांच सदस्यीय कमिटी के गठन कर दिया गया है। जो मामले की जांच करेगा। विधायक ने आपदा राशि से तत्काल घर वालों और दुकानदारों को मुआवजा देने की प्रकिया शुरू करने को कहा। मौके पर संजीव पांडे, ईश्वर दयाल पांडे, मिथलेश गुप्ता, बब्लू गुप्ता, संजीत गुप्ता, सुनील चौरसिया, मुकेश साव, प्रमोद सिंह, रंजीत गुप्ता, जगदीश महतो, छठु महतो, रिंकू गुप्ता, रवि गुप्ता समेत कई उपस्थित थे।

ब्रह्मालीन देवराहा बाबा की मनाई गई 35वीं पुण्यतिथि

बीएनएम। मोतिहारी

ब्रह्मालीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में योगिनी एकादशी पर परम पूज्य ब्रह्मालीन देवराहा बाबा की 35वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आश्रम परिसर में 24 घंटे का अष्टयाम शुरू हुआ। इधर बाबा सरकार की प्रतिमूर्ति का पंचगव्य से अभिषेक, फूलों एवं फलों से भव्य श्रृंगार सामूहिक देवराहा बाबा का चालीसा पाठ व आरती में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।समस्त पूजन वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पुजारी जयप्रकाश पांडे, सुधीर पांडे ने संयुक्त रूप से कराया। इसके उपरांत भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने बताया कि 19 जून 1990 को योगिनी एकादशी के दिन आकाश में काले बादल छा गए थे। तेज आंधी व तूफान लेकर यमुना की लहरों की उछाल बाबा की मचान तक पहुंचने लगी और इन्हीं सबके बीच शाम चार बजे बाबा का शरीर स्पंद रहित हो गया। भक्तों की अपार भीड़ भी प्रकृति के साथ हाहाकार करने लगी। बाबा के शरीर को यमुना मैया की गोद में दे दिया गया। पूज्य देवराहा बाबा का समय-समय पर दर्शन कर अपने को कृतार्थ अनुभव करने वाले भक्तों ने आश्रम में उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की। उनका साक्षात दर्शन किए भक्तों में आश्रम के सह सचिव राम भजन ने बताया कि बाबा का पूरा जीवन मचान में ही बीता। लकड़ी के चार खंभों पर टिकी मचान ही उनका महल था। जहां नीचे से ही लोग उनके दर्शन करते थे। जल में वे साल के आठ महीने बिताते थे। दर्शन के लिए आने वाले सभी भक्तों को प्रसाद अवश्य देते थे। उनके आसपास आश्रम में उगने वाले बबूल के पेड़ों में कांटे नहीं होते थे। बाबा जल पर चलते भी थे। अपने किसी भी गंतव्य स्थान पर जाने के लिए उन्होंने कभी सवारी नहीं की। कभी अन्न ग्रहण नहीं किया। दूध और शहद पीकर जीवन गुजार दिया। योग विद्या पर उनका गहन ज्ञान था। वहीं आश्रम सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने कहा कि देवराहा बाबा का संदेश था कि ईश्वर के दर्शन प्रेम से होते हैं और वे चमत्कारों के दिखावे से दूर रहते थे। वे मानते थे कि प्रकृति ही सबसे बड़ा औषधालय है। बाबा की ख्याति इतनी थी कि जार्ज पंचम जब भारत आए तो अपने पूरे लाव लश्कर के साथ बाबा का दर्शन किया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मदन मोहन मालवीय, पुरुषोत्तम दास टंडन, जवाहरलाल नेहरू ने भी दर्शन किया था। आज गुरुकुल आश्रम में द्वादशी को सुबह 9:00 बजे महा भंडारा का आयोजन किया गया है साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में आश्रम हरिशंकर सिंह, रंजीत कुमार, दिलीप केसरी, कार्यक्रम संयोजक कन्हैया प्रसाद अधिवक्ता, अजय कुमार, पप्पू कुमार, रंजन कुमार, राजकिशोर मिश्र, श्रवण कुमार संगीता देवी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोतिहारी में एसपी स्वर्ण प्रभात की पुलिसिंग बनी नज़ीर, अपराधियों में दहशत

बीएनएम। मोतिहारीः राकेश कुमार

जिले में पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात की अगुवाई में कानून व्यवस्था की तस्वीर बदल रही है। उनके सख्त, पारदर्शी और जनहितकारी पुलिसिंग के चलते जिले में अपराधियों की कमर टूटी है, और माफियाओं में खलबली मच गई है। पिछले एक वर्ष से पुलिस महकमे में कोई बड़ा प्रशासनिक फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन एसपी स्वर्ण प्रभात की पोस्टिंग के साथ ही जिले की तस्वीर बदलने लगी। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने 'शराबमुक्त और अपराधमुक्त चंपारण' का संकल्प लिया और इसे मिशन मोड में लागू किया। सभी थानाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे कार्यशैली में बदलाव लाएं। जो इसमें विफल रहे, उन पर कठोर कार्रवाई भी की गई। आज हालात यह हैं कि जिले में हर दिन भारी मात्रा में शराब और मादक पदार्थ जब्त किए जा रहे हैं। ये आंकड़े बीते वर्षों की तुलना में कहीं अधिक हैं। एसपी की सख्ती और रणनीति का ही परिणाम है कि जिले के अधिकतर पुलिस अधिकारियों की पकड़ अपने-अपने क्षेत्र में और मजबूत हुई है। स्वर्ण प्रभात की एक खास बात यह है कि वे आम जनता के साथ मित्रवत व्यवहार को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन पुलिस महकमे में अनुशासन से कोई समझौता नहीं करते। भ्रष्टाचार या लापरवाही की slightest सूचना पर वे तत्काल जांच कराते हैं और दोषियों पर कार्रवाई करने में जरा भी नहीं हिचकिचाते। इस मुहिम को DIG बेतिया श्री हरिकिशोर राय का भी भरपूर समर्थन प्राप्त है। DIG खुद भी चंपारण को अपराध व नशा मुक्त बनाना चाहते हैं और इसी साझा उद्देश्य के तहत एसपी प्रभात के हर कदम में उनका मजबूत साथ मिल रहा है। चाहे आधी रात हो या दोपहर की तपती धूप — एसपी स्वर्ण प्रभात वर्दी में, पूरे तेवर में सड़क पर दिखते हैं। वर्दी उनके लिए सिर्फ परिधान नहीं, बल्कि सम्मान, ज़िम्मेदारी और सेवा की पहचान है। अब जिले के अपराधी, शराब माफिया और भू-माफिया भय के साये में जी रहे हैं। पुलिस की सक्रियता इतनी बढ़ गई है कि कई कुख्यात अपराधी अब आत्मसमर्पण की मुद्रा में हैं। अपराधियों की कुंडलियां खंगाली जा रही हैं और आने वाले समय में जिले में और भी बड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है। स्वर्ण प्रभात की पुलिसिंग से साफ है, चंपारण अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां अब कानून का राज और जनता की जीत दिखने लगी है।

नाइजर में अपहृत बगोदर के प्रवासी मजदूरों के रिहाई और सकुशल वापसी की मांग को लेकर मंत्री के आवास का घेराव

बीएनएम। कोडरमा

बगोदर के दोदलो पंचायत के पांच मजदूरों का पश्चिमी अफ्रीका के नाइजर में अपहरण के मामले मे अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने को लेकर भाकपा माले के घटक अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन के तत्वाधान में लोगों ने रविवार को केंद्रीय मंत्री और कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी के आवास पर धरना प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि सभी मजदूर नाइजर गए थे और केपीटीएल ट्रांसमिशन कंपनी में काम करते थे। घटना के दो महीने होने को है, बावजूद इसके अपहृत मजदूरों का किसी तरह का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उनके परिजनों के द्वारा मजदूरों की रिहाई और सकुशल वापसी की मांग की जा रही है। आरोप है कि अपहृत मजदूरों की रिहाई और सकुशल वापसी की बात तो दूर केंद्र सरकार मजदूरों का किसी तरह का कोई सुराग भी नहीं जुटा पाई है। दोंदलो के राजू महतो, संजय महतो, फलजीत महतो, चंद्रिका महतो एवं मुंडरो के उत्तम महतो का 25 अप्रैल को नाइजर में अपहरण कर लिया गया है। कोडरमा की सांसद और भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी अपहृत मजदूरों की रिहाई के लिए कोई कोशिश क्यों नहीं कर रही है, यही पूछने के लिए बगोदर से काफी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग सांसद के आवास पहुंचे और घेराव किया। लोगों ने कहा कि भाजपा के रसूखदार केंद्रीय मंत्री की बेटी का जब अपहरण होता है तो देश की सुरक्षा को दांव पर रखकर खूंखार आतंकवादियों को रिहा कर दिया जाता है पर जब प्रवासी और गरीब मजदूरों का अपहरण होता है तो यह भारत सरकार के लिए महत्वहीन है। इसके लिए सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगता है। सांसद के आवास घेराव कार्यक्रम में परमेश्वर महतो, हरेन्द्र कुमार सिंह, सरिता महतो, बदरुद्दीन शेख, खूबलाल महतो, पोखन ठाकुर, गिरधारी महतो, लखन महतो, मंगर महतो, किसुनधारी मिस्त्री, लखन पासवान, यसोदा देवी, मंजू देवी, कारू साव, गुलाव मंडल, जानकी महतो, छोटू महतो, रोहणी देवी, पूनम देवी आदि उपस्थित थीं।

कांग्रेस कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनाव पर हुई गहन चर्चा

बीएनएम। अरेराज/मोतिहारी

रविवार को जिला के गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्र के अरेराज स्थित एक निजी मैरेज हॉल में एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने की। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में एआईसीसी साथी सह प्रशिक्षक विकास बुडानिया उपस्थित रहे। शिविर में विकास बुडानिया ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी, बुथ स्तर की रणनीति, संगठनात्मक संरचना की मजबूती, जनसंपर्क अभियान की विधि और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि "आज की राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन की ताकत ही किसी भी चुनाव की सफलता की कुंजी है। हमें बूथ स्तर पर सक्रिय होकर जनता के बीच जाकर कांग्रेस पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना होगा, साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर करना होगा।" शिविर में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं ने भी खुलकर चर्चा की और जमीनी अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने अपने संबोधन में कहा, "संगठन ही पार्टी की रीढ़ है। जब संगठन मजबूत होगा, तभी हम किसी भी चुनाव में मजबूती से उतर सकते हैं और विजय हासिल कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि हम सभी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर युद्धस्तर पर सक्रिय हों। हमें घर-घर जाकर जनता से संवाद स्थापित करना है, सरकार की जनविरोधी नीतियों का पर्दाफाश करना है और कांग्रेस पार्टी की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देना है।" ई. गप्पू राय ने यह भी कहा कि आने वाला चुनाव केवल एक राजनीतिक लड़ाई नहीं बल्कि विचारधारा की रक्षा की लड़ाई है। इस लड़ाई को जीतने के लिए हम सभी को एकजुट होकर पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करना होगा। प्रशिक्षण शिविर में एआईसीसी साथी अभिनव संगम, युवा जिला प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, रघुनाथ गुप्ता, इम्तेयाज अहमद, बजेन्द्र तिवारी, अनिल कुमार सिंह दिग्विजय सिंह, रमेश श्रीवास्तव, पप्पू रंजन तिवारी, सतेन्द्र नाथ तिवारी, सुबोध उपाध्याय, रविन्द्र तिवारी, मंगरू राम, रमेश बैठा, बाबुनंद यादव, शोभा देवी, रमिता कुमारी, रजिया खातुन सहित बड़ी संख्या में BLA2 , कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय नेता और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन कांग्रेस की एकजुटता और जनता के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ किया गया।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने किया तुरकौलिया थाने का निरीक्षण

बीएनएम। तुरकौलिया

जिले के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात इन दिनों लगातार थाना क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। उनके इस सक्रियता भरे अभियान से आम लोगों में विश्वास जगा है और खुशी की लहर है। लोगों का मानना है कि यदि एसपी की तरह सभी पुलिस पदाधिकारी ईमानदारी से कार्य करें, तो बिहार में कानून व्यवस्था में बड़ा बदलाव संभव है। इसी क्रम में शुक्रवार को एसपी स्वर्ण प्रभात ने तुरकौलिया थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एसपी ने थाना पहुंचते ही हत्या, लूट, डकैती, पुलिस पर हमले, शराब तस्करी समेत विभिन्न आपराधिक मामलों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान खुलासा हुआ कि थाने में करीब 1200 मामले लंबित हैं। इस पर एसपी ने थानाध्यक्ष सुनील कुमार सहित सभी अनुसंधानकर्ताओं को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही फरार शराब तस्करों के विरुद्ध कुर्की-जप्ती की प्रक्रिया तेज करने का आदेश दिया, ताकि आरोपी आत्मसमर्पण को मजबूर हों। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई पुलिसकर्मी इस दिशा में लापरवाही करता है तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि सीसीटीवी कैमरे अब तक पुराने भवन से नए भवन में स्थानांतरित नहीं किए गए हैं। इस पर एसपी ने बताया कि इसकी रिपोर्ट पटना पुलिस मुख्यालय को भेज दी गई है और जल्द ही नए भवन में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि पूर्ण शराबबंदी पुलिस की प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही एससी-एसटी, एनडीपीएस, हत्या, डकैती आदि सभी गंभीर मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश भी थानाध्यक्ष को दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान थाना की कार्यप्रणाली की भी गहन जांच की गई। इस अवसर पर मुफ्फसिल इंस्पेक्टर मुन्ना कुमार, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार, एसआई सुबोध कुमार, मंजय कुमार, वेधा भारती, कन्हैयालाल, रामप्रवेश सिंह, राजकुमार, विश्वजीत कुमार सहित सभी पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर किया नमन

बीएनएम। रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, प्रख्यात शिक्षाविद् और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि (23 जून) के अवसर पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की प्रगति और एकता के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने एक समृद्ध, सशक्त और स्वावलंबी भारत का सपना देखा, जिसे साकार करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ ने राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक एकता के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान की। उनकी दूरदर्शी सोच ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा और समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनकी देशभक्ति और समाज के प्रति निष्ठा हमें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम एक सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन और उनके सिद्धांत हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक समृद्ध, एकजुट और विकसित भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट कर दंपती को किया जख्मी, तीनों घायल का सीएचसी में चल रहा है इलाज

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के वार्ड 9 के अशरफीटोला वृत में मारपीट कर दंपती व पुत्री को घायल कर दिया। घटना को लेकर रामबहादुर गिरि की पत्नी प्रभावती देवी ने थाना पर आवेदन देकर अपने पटीदार शंभूनाथ गिरि व उसकी पत्नी श्रीमती देवी व पुत्र रविचंदन गिरि को आरोपित किया है। जहां उसने बताया है कि वह शाम में वृत में खेत देखने जा रही थी। इसी दौरान उक्त आरोपी घेर कर मारने लगे। मारपीट छुड़ाने आए पति व पुत्री को भी पीटकर जख्मी कर दिए। हल्ला सुनकर जब राहगीर आए तो किसी तरह जान बची। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। जहां सभी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पटना में 2 करोड़ से अधिक की लागत से 5 सड़कों का शिलान्यास

बीएनएम।पटना: राजधानी पटना में शहरी विकास को गति देने के उद्देश्य से बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री एवं बांकीपुर विधायक नितिन नवीन ने 2 करोड़ से अधिक लागत से बनने वाली 5 प्रमुख सड़कों का शिलान्यास किया। यह

कार्य मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत कराया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शहरी इलाकों में सड़क, जल निकासी और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना है।इस अवसर पर उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी, संबंधित वार्ड पार्षद और बुडिको के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि वार्ड 21, 22 और 23 में इन 5 पथों का निर्माण किया जाएगा। इनमें भूगर्भ नाला और पीसीसी सड़क निर्माण शामिल हैं। खासकर श्रीकृष्णापुरी, किताब भवन गली, हजारी उत्सव हॉल से एचपी गैस कार्यालय तक के रास्तों को बेहतर किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से जलजमाव की समस्या दूर होगी और लोगों को सुरक्षित व सुगम आवागमन मिलेगा। साथ ही ट्रैफिक का दबाव कम करने और पर्यटन स्थलों, स्कूलों और अस्पतालों से संपर्क साधने वाली सड़कों को प्राथमिकता दी जा रही है।गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 से लागू मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत राज्य के नगर निकायों में ऐसी सड़कों को विकसित किया जा रहा है जो जनसुविधा से सीधे जुड़ी हों और प्रमुख मार्गों को लिंक करती हों।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 31वां अंचल सम्मेलन संपन्न

बीएनएम। बेतिया: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मझौलिया का 31वां अंचल सम्मेलन अहवर शेख के वार्ड नंबर 9 के एक निजी विद्यालय में रविवार के दोपहर संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला मंत्री ओमप्रकाश क्रांति ने महंगाई,भ्रष्टाचार,बेरोजगार के खिलाफ सतत संघर्ष का अवाहन किया सम्मेलन का उद्घाटन किसान नेता राधा मोहन यादव ने किया। सम्मेलन को बाबूलाल चौधरी,अशोक मिश्र,कृष्णनंदन सिंह,तारकेश्वर सहनी,जाकिर हुसैन,इंद्रमण चौरसिया सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। जिला सम्मेलन के लिए प्रतिनिधि गणों का चयन अंचल कमेटी का पुनर्गठन तथा नया अंचल मंत्री का चुनाव किया गया। आगामी 9 जुलाई को देश व्यापी मजदूर हड़ताल तथा 12 जुलाई को चंपारण में तुषार गांधी के कार्यक्रम को पूर्ण सहयोग देने का प्रस्ताव पारित किया गया।

कुर्की से पहले ही पकड़ाया फरार अभियुक्त

बीएनएम।जमुई/ झाझा। पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे नरसिंह दास को पुलिस ने कुर्की से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर रविवार को एएसआई धर्मेंद्र सिंह दलबल के साथ बलियाडीह गांव में कुर्की की कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने नरसिंह दास के घर पर कुर्की की प्रक्रिया शुरू की, वैसे ही उसकी पत्नी ने कार्रवाई रोकते हुए बताया कि उसका पति पास के ही एक घर में छिपा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत दबिश दी और नरसिंह दास को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे थाने लाकर आगे की कार्रवाई शुरू की गई।

अवैध खनन से परेशानी

बीएनएम।बेतिया : बैरिया प्रखंड क्षेत्र के सूर्यपुर पंचायत के सिंगाही के समीप गंडक नदी के तल से अवैध बालू युक्त मिट्टी का खनन जारी है। जिससे आने वाले समय में गंडक की धार बांध की तरफ मुड़ने की आशंका है। जिससे बांध पर खतरा बढ़ सकता है। एक ओर सरकार और प्रशासन बाढ़ पूर्व बांधों की सुरक्षा में फ्लड फाइटिंग मैटेरियल का भंडारण करने में लगे हैं। इसके लिए संवेदनशील स्थानों पर बोरा क्रेटिंग करने के लिए बोरा में बालू भरकर स्टॉक किया जा रहा है। वहीं कुछ स्थानों पर खुले बालू का भी भंडारण किया गया है। जबकि दूसरी तरफ ठेकेदारों द्वारा प्रशासन के नाक के नीचे प्रतिदिन गंडक नदी के तल से अवैध खनन किया जा रहा है । ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की मिलीभगत से यह माफिया अवैध खनन कर रहे हैं। दर्जनों की संख्या में ट्रैक्टर ट्रेलर पर जेसीबी से मिट्टी काटकर इस नदी से निकाला जा रहा है । बताया जाता है कि लौकरिया, कोईरपट्टी, बाथना और सिंगाही घाट के सामने बेखौफ नदी से बालू युक्त मिट्टी की कटाई संवेदकों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन पर अंकुश नहीं लगाने के कारण यह माफिया बेखौफ नदी से खनन करने में जुटे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह अवैध नदी से मिट्टी खनन करने से जानबूझकर गंडक नदी को तटबंध पर दबाव बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। ग्रामीण सूत्रों का यह भी कहना है कि लोग अपने घर तथा द्वार भरवाने के लिए जब अपने खेतों से गंडक नदी की दबाव वाले क्षेत्र से दूर मिट्टी कटवाती है तो उन लोगों को प्रशासन पकड़ लेती है लेकिन बेखौफ तरीके से गंडक नदी के तल से मिट्टी काटने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं होता है।

लखीसराय जिले को जल्द मिलेगी तारामंडल और लक्ष्मी-गणेश मंदिर की सौगात: डिप्टी सीएम

» शहर को मिलेगा नया सार्वजनिक स्थल

» उप मुख्यमंत्री ने भामाशाह पार्क का किया शिलान्यास

» भामासाह होना एक भावना है : जिलाधिकारी

बीएनएम। लखीसराय

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह लखीसराय विधायक विजय कुमार सिन्हा शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नया बाजार स्थित बड़ी दुर्गा स्थान मंदिर के निकट दानवीर भामा साह पार्क एवं कुँआ सौंदर्यीकरण योजना का विधिवत शिलान्यास किया। यह योजना उनके विधायक निधि से संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य शहर की सुंदरता बढ़ाने और नागरिकों को एक सुरक्षित व मनोरम सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना है।

लखीसराय में भामाशाह पार्क एवं कुआं का शिलान्यास करते डिप्टी सीएम

तारामंडल और लक्ष्मी-गणेश मंदिर की मिलेगी सौगात

डिप्टी सीएम ने शिलान्यास समारोह में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने जिला पदाधिकारी मिथलेश मिश्र को निर्देश दिया कि अशोक धाम मंदिर के पास तारामंडल के लिए भूमि चिन्हित की जाए।साथ ही उन्होंने कहा कि लखीसराय का नाम माता लक्ष्मी के नाम पर पड़ा है, इसलिए लक्ष्मी-गणेश का भव्य मंदिर भी जिले में शीघ्र बनेगा। उन्होंने बताया कि लखी महोत्सव की स्वीकृति भी मिल चुकी है।जिले में 184 सड़क परियोजना के निर्माण से विकास की गति को नई दिशा मिलेगी।

भामाशाह को बताया प्रेरणास्रोत

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने दानवीर भामा साह को केवल ऐतिहासिक पात्र न मानते हुए उन्हें युगों तक प्रेरणा देने वाला व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि "ऐसे महापुरुषों के नाम पर बन रहे पार्क और स्थल नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करेंगे।"जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने भी कहा कि "भामा साह होना एक भावना है। लखीसराय में कई ऐसे लोग हैं जो समाज के लिए बिना दिखावे के काम कर रहे हैं। आने वाली पीढ़ियां इनसे प्रेरणा लेंगी।"

लखीसराय में मंचासीन डिप्टी सीएम एवं भामाशाह विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष नरेश साव

सम्मानजनक उपस्थिति और जनसंपर्क

कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी मिथलेश मिश्र, डॉक्टर प्रवीण सिन्हा, संयुक्त समिति के अध्यक्ष देवनन्दन प्रसाद, मंत्री मनोज कुमार, उपाध्यक्ष अनिल कुमार साहू, रामचंद्र प्रसाद, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विकास कुमार, लायंस क्लब अध्यक्ष संजीव कुमार स्नेही, वार्ड प्रतिनिधि प्रेमकिशन कुमार, राजन कुमार, संजय कुमार, केदार प्रसाद, रुपेश कुमार, अशोक कुमार, संतोष कुमार, हेमंत कुमार सहित अन्य कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विपक्ष पर साधा निशाना

संवाददाता सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा,जब उन्हें मौका मिला तब उन्होंने बिहार के विकास की दिशा में कोई ठोस कार्य नहीं किया। अब जब एनडीए सरकार जनहित में योजनाएं चला रही है, तो विपक्ष बेचैन हो उठा है।"उन्होंने तेजस्वी यादव को 'जंगलराज और अराजकता वाले विद्यालय का छात्र' करार दिया और कहा कि उनकी भाषा में न शालीनता है, न ही मर्यादा। बिहार की जनता अब जागरूक हो चुकी है और वह केवल विकास और सुशासन के पक्ष में है।

काम की गुणवत्ता व समयबद्धता पर जोर

कार्यक्रम के समापन पर डिप्टी सीएम ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी योजनाएं समय पर पूरी हों और उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।उन्होंने कहा की जनता की अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए हर योजना को धरातल पर उतारना राज्य सरकार का संकल्प है।

पौधारोपण के संदेश के साथ निजुआरा पहुँचे पर्यावरण प्रहरी

बीएनएम।जमुई

प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को लेकर साइकिल यात्रा एक विचार का 494वां कारवां रविवार को जमुई के श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम से रवाना होकर निजुआरा गांव पहुँचा। यात्रा के दौरान सदस्यों ने ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर परिसर के आसपास दो दर्जन पौधे लगाए। इस अवसर पर पूर्व में लगाए गए कई पौधे, जो अब हरे-भरे पेड़ों का रूप ले चुके हैं, उन्हें देखकर सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और ग्रामीणों को उनके संरक्षण के लिए धन्यवाद दिया। यात्रा में शामिल राहुल सिंह और शैलेश भारद्वाज ने बताया कि बीते सप्ताह की भीषण गर्मी ने हमें चेताया है। अब लोग भी पौधारोपण के महत्व को समझने लगे हैं। प्रकृति ने हमें अपने वातावरण को सुधारने का अवसर दिया है, जिसे सभी को पौधे लगाकर सार्थक करना चाहिए।सचिराज पद्माकर ने कहा कि बिना पर्यावरण के जीवन की कल्पना अधूरी है। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम सभी पौधारोपण करें और उनकी देखभाल भी सुनिश्चित करें।कार्यक्रम में राजेश कुमार सिंह कुणाल, सचिन कुमार, विभूति सिंह, गौरव सिंह, शुभम सिंह, गोलू कुमार, शैलेश भारद्वाज, राहुल सिंह, सचिराज पद्माकर, अभिषेक कुमार झा, विवेक कुमार, लाली सहित दर्जनों ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। सदस्यों ने अपील की कि इस मानसून में हर व्यक्ति कम से कम दो पौधे जरूर लगाएं और उनकी देखरेख कर उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखें।

जमुई में पौधारोपण करते युवा

बिहार को सड़क-सेतु और फोरलेन निर्माण के मद में केंद्र से मिला 33,464 करोड़ रुपये : सुनील कुमार

बीएनएम। पश्चिम चम्पारण(बगहा)

केंद्र सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में बिहार को बड़ी सौगात दी है। इस वित्तीय वर्ष में बिहार को सड़क, सेतु और फोरलेन निर्माण के मद में कुल 33,464 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। इस राशि से बिहार की 52 परियोजनाओं पर काम होगा जिसमें 875 किलोमीटर सड़क का निर्माण, गंडक पर दो पुल और 380 किलोमीटर सड़क को फोरलेन में अपग्रेड किया जायेगा। इसकी जानकारी आज वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने मीडिया को दी। सांसद ने बताया कि इसी राशि के अंतर्गत वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के बाहर नए एलाइनमेंट के रूप में स्वीकृत बगहा के शास्त्रीनगर से उत्तर प्रदेश के बेलवनिया तक गंडक नदी पर पुल सहित बाईपास निर्माण के लिए 3,000 करोड रुपये की राशि आवंटित की गई है ,जबकि बेतिया से बगहा तक 69 किलोमीटर फोरलेन सड़क के निर्माण के लिए 4,500 करोड रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा इस राशि के अंतर्गत ठकराहा के श्रीनगर और पूजहा-पटजिरवा के बीच एक 11 किलोमीटर लम्बे सेतु का निर्माण किया जायेगा जिसकी लागत 3,295 करोड़ रुपये के करीब आएगी। यह पुल एन एच 727A के माध्यम से बिहार के बेतिया से उत्तरप्रदेश के सेवरही को जोड़ने का काम करेगा। सांसद कुमार ने कहा कि इन योजनाओं के निर्माण से चंपारण के विकास को और अधिक गति मिलेगी, यातायात सुगम होगा और आम लोगों का जनजीवन सरल होगा। इन उपलब्धियों के लिए स्थानीय सांसद ने भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हृदय से धन्यवाद देने के साथ बगहा, धनहा, वाल्मीकिनगर वासियों को इन सौगातों के लिए बधाई दी है। जदयू कार्यकर्ताओं ने भी इन योजनाओं की स्वीकृति और राशि आवंटन के लिए देश के प्रधानमंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री, केंद्रीय सड़क मंत्री के साथ बाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन्होने इन मुद्दों को लगातार संसद में उठाते रहने का काम किया है।

बगहा के तमकुही गांव मसान नदी के कटाव के जद में, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

» मुख्यमंत्री,जिलाधिकारी से लोगों ने लगाई गुहार

बीएनएम। बगहा

प्रखंड बगहा एक के सलहा बरिअरवा पंचायत के तमकुही गांव स्थित मसान नदी पर बने पुल की उत्तर साइड के बाहीं का कटाव होने से दर्जनों गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है,जिससे ग्रामीण सहमे हुए हैं। शनिवार को दर्जनों ग्रामीणों ने विभागीय उदासीनता का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। तथा बिहार के मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री समेत जिलाधिकारी प चम्पारण से समय रहते जांच व सुरक्षात्मक कार्यवाई की मांग किया है। ग्रामीण नजीबुल्लाह अंसारी, गुफरान अली, छोटेलाल राम, प्रेम यादव ,आजाद देवान, ब्रजभूषण तिवारी,रफी आलम,पैक्स अध्यक्ष सुरेश यादव तथा शमशाद अली,मोहसिन रोमान, मजीद अंसारी, अतहर देवान,नन्हें देवान, इद्रीश मियां, कुश महमद मियां समेत दर्जनों की संख्या में लोगों ने बताया कि बाढ़ और बरसात के दिनों में मसान नदी के भीषण कटाव के कारण प्रत्येक वर्ष दर्जनों गांव प्रभावित होता है,किन्तु विभागीय उदासीनता के कारण बचाव के लिए अबतक कोई ठोस कार्यवाई नही की गई।

बगहा में प्रदर्शन करते ग्रामीण

विभाग झाड रहा पल्ला

पीड़ित लोगों का कहना है कितमकुही में मसान नदी पर बने पुल के नीचे उत्तर साइड में बने बाहीं का कटाव जारी है, जिससे धीरे धीरे बाहीं के साथ साथ अप्रोच भी ध्वस्त होकर नदी में समा रहा है।फ्लड विभाग भी कर रहा तमकुही गांव की अनदेखी ग्रामीणों का कहना है कि फ्लड विभाग भी तमकुही गांव की अनदेखी कर रहा है। तथा इस समस्या को लेकर जब विभाग से कहा गया तो अपना पल्ला झाड़ते हुए जल संसाधन विभाग में जाने को कहा गया।

विभागीय उदासीनता से लोगों में आक्रोश

सलहा बरिअरवा और रायबारी महुअवा पंचायत के लोगों की माने, तो विभागीय उदासीनता के कारण मसान नदी के तटीय इलाकों में बसे गांव तमकुही कटाव की जद में आ गया है। कहा कि हम पीड़ित ग्रामीणों की समस्यायों को कौन सुनेगा।जबकि मौके पर फ्लड फाइटिंग का काम भी नही किया जा रहा है, जिससे पुल की बाहीं को ध्वस्त होने से बचाया जा सके।

सीएम और डीएम से गुहार

पीड़ित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से अपने स्तर से जांच कराने की मांग की। तथा तत्काल सुरक्षात्मक कार्य कराने की मांग किया है,ताकि तमकुही,झारमुहवी, रायबरी महुअवा, जमुनिया, सलहा, महुवी,इनार बरवा,तथा अजमल नगर समेत दर्जनों गांवों को समय रहते मसान नदी के कटाव और बाढ़ से बचाया जा सके।

चंपापुर पुल के पास वाहन जांच में चोरी की बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम। पताही

थाना क्षेत्र के चंपापुर पुल के पास रविवार को चलाए गए वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया व्यक्ति अशोक कुमार, पंचगछिया गांव का निवासी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने जांच के दौरान संदिग्ध रूप से जा रहे एक दोपहिया वाहन को रोका। बाइक पर लगी नंबर प्लेट की मशीन द्वारा जांच की गई, तो रजिस्ट्रेशन नंबर किसी और वाहन का निकला, जबकि चेचिस नंबर अलग पाया गया। इस पर शक होने पर पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष विनीत कुमार ने बताया कि गाड़ियों की नियमित जांच का उद्देश्य चोरी की गाड़ियों की पहचान कर चोरों को पकड़ना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाई जा सके। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

वृद्धजनों और विकलांगों सम्मान देने के लिए एनडीए सरकार को धन्यवाद : विधायक

बीएनएम। बगहा

स्थानीय विधायक राम सिंह ने बिहार में नारी शक्ति, वृद्धजनों एवं विकलांगों को सम्मान देने के लिए एनडीए सरकार को धन्यवाद दिए। बिहार में एनडीए सरकार में नारी शक्ति, वृद्धजनों एवं दिव्यांगों को इतना सम्मान देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दिल से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।उन्होंने बिहार में एनडीए सरकार की तारीफ किया और लाभार्थियों को बधाई दिए "महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 400 रुपए की जगह 1100

रुपए की पेंशन" एनडीए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रुपए पेंशन देने का निर्णय किया है। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को काफ़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही जीविका दीदियों के लिए लोन पर ब्याज दर में 3% की कमी की गई है।निश्चित ही इस फैसले से महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को राहत मिलेगी। एनडीए सरकार समाज के हर वर्ग की चिंता करती है।

पक्का पहुंच पथ से संतघाट मुक्तिधाम के शवदाह स्थल तक पहुंचेगी सुविधाएं : गरिमा

» निर्माण को लेकर महापौर ने की प्रबंध समिति एवं संवेदक के साथ की बैठक

बीएनएम। बेतिया

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि अब संत घाट में निर्माणाधीन "मुक्तिधाम" में शवदाह स्थल तक पक्का पहुंच पथ से लकड़ी और शव-वाहन पहुंच सकेंगे। वे रविवार को लाल बाजार स्थित अपने आवासीय कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रबंध समिति के साथ बैठक में कुल 34.83 लाख की लागत से स्वीकृत संत घाट के "मुक्तिधाम" नव निर्माण के बाद विस्तारित सुविधाओं की जानकारी प्रबंध समिति को दे रहीं थीं। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि मुक्तिधाम का रोड जहां तक बना है, उसके बाद 120 फीट लंबाई एवं 12 फीट चौड़ाई में पीसीसी सड़क बनेगी। रोड से कनेक्टेड 76 फीट लंबा एवं 10 फीट चौड़ा पीसीसी रैंप होगा। रैंप के बाद शेड के बगल तक मिटटी भराई करके 205 फीट लंबाई एवं 12 फीट चौड़ाई में पेवर ब्लॉक लगाते हुए दोनों तरफ सपोर्टिंग वॉल का निर्माण लिंक रोड से उतरने वाली सभी सीढ़ियों में चेकर टाईल्स, साढ़े तीस बाय 18 के दो एवं साढे 30 बाई 19 के तीन नये शेड, पूर्व से लगे सभी स्टैंड की मरम्मती, विश्रामालय की पूर्ण रिपेयरिंग एवं पेंटिंग, विश्राम वाले के नीचे का भाग जो खुला है, उसका तीन साइड से वाल जोड़ना, जाने की सीढ़ी बननी है। वही मुक्तिधाम परिसर के प्रतीक्षालय के नीचे वाले नये कमरे में बैठने के लिये 31 फीट बाई डेढ़ फीट में आरसीसी स्लैब निर्माण कराया जा रहा है। इसके नीचे और ऊपर दोनों प्रतीक्षालय में गेट एवं ग्रिल निर्माण, साढ़े 17 बाय साढ़े 30 फ़ीट का बैठक पर कोटा स्टोन से निर्माण कराया जाएगा। वही साढ़े 40 बाई साढ़े 21 फ़ीट का जमीन पर पीसीसी फ्लोर के भी निर्माण को स्वीकृति नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित उक्त योजना में दी गई है। बैठक मेंसंवेदक प्रतिनिधि, संत घाट मुक्तिधाम समिति के रवि गोयनका, प्रेम सोमानी,रवि जैन, सुभाष रुंगटा, टीनू सर्राफ, अन्य गणमान्य संजय झुनझुनवाला, सुरेश सिंघानिया, दीपक कनोडिया के अलावा नगर निगम के कनीय अभियंता सुजय सुमन और मिस्त्री शामिल रहे।

संतघाट-मुक्ति धाम नवनिर्माण के बाद विस्तारित सुविधाओं की महापौर ने दी प्रबंध समिति को जानकारी

नक्सलियों का हिंसक होना

सरकार के आक्रामक रुख के बावजूद नक्सलियों का हिंसक होना वाकई दुखद है। छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहीद हो गए। इस घटना में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। जबकि नक्सलवाद पर नकेल बीते वर्ष की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जाता है, पर इसमें राज्यों की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। बीते वर्ष अकेले छत्तीसगढ़ में ही करीब एक हजार से अधिक नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। सबसे अधिक नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। नक्सलियों की कमर सबसे अधिक छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है। यहां लगभग 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस चोट के बावजूद नक्सली संगठन गाहे-बगाहे सुरक्षा बलों को निशाना बना ही रहे हैं। ये जानते हुए कि अब उनके दिन गिनती के रह गए हैं। हिंसा का रास्ता वैसे भी लंबी दूरी तय नहीं करता है। नक्सलियों ने अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भोले-भाले ग्रामीणों के कंधे पर रख अपना उल्लू सीधा किया। यह धत् कर्म ये नक्सली संगठन लंबे वक्त से करते रहे हैं। हालांकि मोदी सरकार ने अपने 11 वर्ष के शासनकाल में नक्सलियों की कमर लगभग तोड़ दी है, लेकिन सुरक्षा बल के अधिकारी की हत्या करना यह दर्शाता है कि वो निराश हो चुके हैं और समाज की मुख्यधारा में लौटने की उनकी मंशा बिल्कुल भी नहीं है। जबकि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की भी शुरु आत की। इससे न केवल हिंसा में कमी आई, बल्कि स्थानीय लोगों की दुश्वारियां भी कम हुई। इस कारण उन लोगों का मन बदला। तमाम उपायों के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चितता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है। ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है।

सूडोकु नवताल- 7469

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7468 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल

अनिल चमड़िया

मीडिया के करोबार का विश्लेषण करने वाले एक बेहद उलझे हुए प्रश्न से जूझ रहे हैं। एक तरफ तो यह दावा किया जाता है कि पढ़ने और खासतौर से समाचार पत्र और पत्रिका की संस्कृति खत्म हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार ने 2024-2025 में पत्र-पत्रिकाओं की संख्या और उनकी प्रसार संख्या में बढ़ोतरी का दावा किया है। एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र-पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ़ना तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है। तब इसका अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लोकतंत्र में नागरिकों के अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का संविधान में उल्लेख तो हो सकता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मीडिया कंपनियां अपने हितों में करती है। पूरी दुनिया की तरह भारत में भी प्रिंट की तकनीक पर आधारित संचार माध्यमों ने जन जीवन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। इतिहास में यह विश्लेषण मिलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से राजनीतिक सत्ताएं इसे नये तरह के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी। भारत में भी संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल की प्रवृत्ति के बढ़ने को लेकर स्वतंत्रता के बाद से ही चिंता जाहिर की जा रही है। संचार माध्यमों खासतौर से समाचार माध्यमों की राजनीतिक सत्ता के पक्षधर होने की आलोचना होती है। आपातकाल के बाद से यह आलोचना ज्यादा मुखर हुई है। आंकड़े संख्या की भाषा में प्रस्तुत होते हैं, लेकिन उनका विश्लेषण आंकड़ों के भीतर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के कड़वे विवरणों को सतह पर ला देता है। आंकड़ों के रूप में संचार माध्यमों के विस्तार पर नजर डालें तो यह तथ्य काबिले गौर है कि 1857 में तब के भारत में 475 अखबार निकलते थे और उनमें से अधिकांश प्रांतीय भाषाओं में निकलते थे। इन समाचार पत्रों की प्रसार संख्या भी आबादी की तुलना में बेहद कम होती थी। 2025 की तुलना में इस समय छपी सामग्री को पढ़ने की क्षमता अपेक्षाकृत बेहद कम थी, लेकिन स्वतंत्रता के आंदोलन से नागरिकों में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के प्रति चेतना इतनी गहरी थी कि अपने अधिकार के इस्तेमाल के लिए संचार माध्यमों पर निर्भरता ज्यादा नहीं बढ़ी। यही वजह हो सकती है 1957 तक रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की तादाद महज 446 थी। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चुनावी वर्षों के आसपास रोजाना के समाचारपत्रों की संख्या तुलनात्मक रूप से ज्यादा हो जाती है। चुनाव के बाद के वर्षों में संख्या में विस्तार की गति कमजोर हो जाती है। मसलन 1984, 1985 और 1986 में प्रकाशित समाचार पत्रों की संख्या का विश्लेषण किया जा सकता है। इसी तरह 1989 और 1999 में भी समाचार पत्रों की संख्या की गति तेज होने का उदाहरण मिलता है। बाद के चुनाव के इर्द-गिर्द के वर्षों पर नजर डालने के बाद 2014 से पूर्व समाचार पत्रों की संख्या पर नजर डालें तो इसके स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि चुनाव के मद्देनजर समाचार पत्रों की उपयोगिता की गति पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ी। 2012-13 में 12109 रोजाना के समाचार पत्र थे और उसके के बाद 2013-2014 में समाचार पत्रों की संख्या 13350 यानी एक हजार से ज्यादा नये पत्र निकले। 2012-2013 में समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 8.43 प्रतिशत है। यह प्रवृत्ति 2024 तक देखी जा सकती है। 2019-2020 के आंकड़े बताते हैं कि अकेले इस वर्ष समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 19.52 प्रतिशत है। देश में राजनीतिक सत्ता आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सतहों पर आकार लेती है। जाति और धर्म तो राजनीतिक सत्ता के आधार में होते ही हैं, लेकिन जाति और धर्म का भी एक भाषाई आधार देखने को मिलता है। हिन्दी में सबसे ज्यादा 60107 प्रकाशन होने की जानकारी मिलती है। इसके बाद अंग्रेजी में 20175 प्रकाशन हुए मगर इनकी तुलना में कश्मीरी और डोगरी में सबसे कम संख्या देखने को मिलती है। उर्दू में प्रकाशन की संख्या 7027 है। भाषा के आधार पर समाचार पत्रों पत्रिकाओं के विस्तार का विश्लेषण करें तो इनकी छवि राजनीतिक प्रचारक के रूप में दिखती है।

मेष राशिः मेष वालों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कहीं से एक केस आपके हाथ लग सकता है। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है। सोसाइटी में आज आपको पहले किए किसी सामाजिक कार्य के लिए सम्मान मिल सकता है।

वृष राशिः वृष वालों के लिए आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान भी बन सकता है। आज अचानक से आपके घर पर आपका करीबी रिश्तेदार आ सकता है। दोस्तों के साथ लंबे टूर की प्लानिंग बन सकती है। आज आपके बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे है। स्वास्थ्य पहले से अच्छा रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन वालों के लिए आज के दिन मन में नए – नए विचार आ सकते है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, मेहनत का फल अच्छा मिलेगा। आप दोस्तों के साथ बाहर हिल स्टेशन पर जा सकते है। दाम्पत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने दोस्त से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में होगा।

कर्क राशिः कर्क वालों के लिए आज का दिन ठीक – ठाक रहेगा। बिजनेस में थोड़ी सी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जल्द ही सब नॉर्मल हो जाएगा। आज अपनी वाणी पर कंट्रोल रखने से आपको ही फायदा होगा। आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें। बेहतर होगा कि आप बाहर के खाने को अवॉयड करें।

सिंह राशिः सिंह वालों के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक सम्बन्धी परेशानियां आज खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। आज के दिन आपका करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा। कार्यक्षेत्र में बढोत्तरी के नये अवसर प्राप्त होगें। ऑफिस में सहकर्मियों की मदद से आज आपका काम जल्द ही पूरा हो जायेगा।

कन्या राशिः आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आपको शत्रु पक्ष से सावधान रहने की जरुरत है, लेकिन अपनी समझदारी से आप कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। पानी का सेवन करने से स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज किसी कन्या को नया सिक्का देने से परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी।

तुला राशिः तुला वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आर्शीवाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेंगें। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगें। आप विरोधियों का सामना करेंगें। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेगें।

वृश्चिक राशिः आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। व्यापारियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के शादीशुदा लोग किसी रेस्टोरेंट में डिनर का प्लान बना सकते हैं।

धनु राशिः कालात्मक कार्यों में आज आपकी रूचि बढ़ेगी। आज व्यापारियों को बिजनेस में बढ़िया लाभ होगा। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा जीवनसाथी के साथ जाने पर शुभफल प्राप्त होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मकर राशिः मकर वालों के लिए आज का दिन ठीक – ठाक रहेगा। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको ग़लत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही विवाह संबंधी समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी। आज फर्नीचर का सामान खरीदेंगे तो आपके लिए दिन शुभ है।

कुंभ राशिः कुंभ वालों आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ये यात्रा ऑफिस के काम से रिलेटेड हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। जो इस राशि के इंजीनियर्स है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब के लिए ऑफर आ सकती है। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मीन राशिः मीन वालों आज अपने बड़े-बुजुर्ग का आर्शीवाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। बच्चों के करियर के लिए आप किसी से उधार ले सकते हैं। आज आपको व्यापार में अचानक से धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

अंतरराष्ट्रीय ओलंम्पिक दिवस (23 जून) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस

पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे। 1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।अ पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लीड्स टेस्टः इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, ओली पोप का शतक, भारत को बुमराह ने दिलाई बढ़त

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत द्वारा पहली पारी में बनाए गए 471 रन के जवाब में इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 209 रन बना लिए हैं। मेजबान टीम अभी भी भारत से 262 रन पीछे है। इंग्लैंड की शुरुआत धीमी रही और उसे पहला झटका केवल 4 रन के स्कोर पर लग गया, जब जैक क्रॉली को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद बेन डकेट (62) और ओली पोप (100*) ने टीम को संभालते हुए दूसरी विकेट के लिए अहम साझेदारी की। जो रूट ने 28 रनों का योगदान दिया, लेकिन वह भी बुमराह का शिकार बने। दिन

का खेल खत्म होने तक ओली पोप 100 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि हैरी ब्रूक बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद हैं। भारत की ओर से अब तक जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीनों विकेट अपने नाम किए हैं। इससे पहले भारत ने दिन की शुरुआत 359/3 के स्कोर से की थी और अपनी पहली पारी में 471 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरे दिन ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शतकीय पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने 147 रन बनाए। हालांकि निचला क्रम कुछ खास नहीं कर सका और भारत ने जल्दी-जल्दी अपने बचे हुए विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स और जोश टंग ने सबसे प्रभावशाली गेंदबाजी की और चार-चार विकेट लिए। ब्रेंडन कार्स और शोएब बशीर को एक-एक सफलता मिली।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

लंदन। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, "रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।" वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा,

"मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।" हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। "हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं," वुड ने कहा।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा। निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब

अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं। अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक

रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है।

शुभमन गिल को बनना होगा कपिल देव जैसा लीडरः योगराज सिंह

मोहाली। भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह का मानना है कि टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा, ठीक उसी तरह जैसे कपिल देव ने 1983 के विश्व कप में किया था। भारत अब टेस्ट क्रिकेट के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है। इनके जाने के बाद टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है और एक नई लीडरशिप की शुरुआत हो रही है। योगराज सिंह ने कहा कि शुभमन गिल को न केवल अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए बल्कि टीम को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने सलाह दी कि गिल को बल्लेबाजी करते समय खुद के लिए ऊंचे लक्ष्य तय करने चाहिए जैसे 100, 200 या यहां तक कि 300 रन और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहना चाहिए। उनके अनुसार, गिल को सिर्फ कप्तानी का बोझ नहीं उठाना, बल्कि प्रेरणा स्रोत बनकर टीम का नेतृत्व करना होगा। भारत इस समय रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर की भी कमी महसूस करेगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में गेंदबाजी विभाग में भी युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। योगराज सिंह को भरोसा है कि अगर शुभमन गिल ने सकारात्मक और प्रेरणादायक नेतृत्व दिखाया, तो भारत के पास इंग्लैंड को उसके ही घर में हराकर 2007 के बाद पहली बार कोई विदेशी टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है।

व्यापार

अगले सप्ताह प्राइमरी मार्केट में होगी जबरदस्त हलचल, 17 नए आईपीओ की लॉन्चिंग

नई दिल्ली। सोमवार 23 जून से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में जबरदस्त हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 17 नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज और कल्पतरु समेत 6 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 जून को ही समय एजेसी ज्वेल का 15.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 90 से 95 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 24 जून को कल्पतरु लिमिटेड का 1,590 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 380 से 400 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 36 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन एलेनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेस का 852.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 387 से 414 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। 24 जून को ही मेनबोर्ड के एक और आईपीओ के रूप में ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स का 119 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 67 से 71 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 211 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। मेनबोर्ड के इन आईपीओ के अलावा इसी दिन श्री हरे-कृष्णा स्पॉन्ज आयरन का 29.91 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 56 से 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन श्री आईकॉन फैसिलिटेटर्स का 19.11 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 से 91 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसके अलावा अब्राम फूड का 13.99 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 26 जून को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस फिक्स किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 25 जून को एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का 12,500 करोड़ रुपये का मेगा इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 700 से 740 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 20 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन मेनबोर्ड की एक और कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का 540 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 77 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 182 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। 25 जून को ही सुपरटेक ईवी का 29.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 87 से 912 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन सनटेक इंफ्रा सॉल्यूशन्स का 44.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 81 से 86 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 26 जून को इंडो-गल्फ क्रॉपसाइंसेज का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए ओपेन होकर 30 जून को क्लोज होगा। इस पब्लिक इश्यू के साइज और इसके प्राइस बैंड का अभी ऐलान नहीं किया गया है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 1 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन पीआरओ एफएक्स टेक का 40.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 30 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 82 से 87 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 1 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। 26 जून को ही ऐस अल्फा टेक का 49.91 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 30 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 101 से 107 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 1 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन वैलेंसिया इंडिया का 48.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 30 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 95 से 110 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 1 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

घरेलू सर्राफा बाजारों में नरमी का रुख, बीते सप्ताह 930 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में रविवार को 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये से लेकर 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,350 रुपये से लेकर 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 850 रुपये

प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। साप्ताहिक आधार पर सोने की कीमत में तो गिरावट आई है, लेकिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बावजूद चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा की भारत में बिक्री घटी

नईदिल्ली। दिग्गज यूरोपीय कार निर्माता कंपनियां रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा को भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जाटो डायनेमिक्स के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 3 वित्तीय वर्षों में इन कंपनियों की बिक्री में गिरावट देखी गई है। इसके पीछे एसयूवी सेगमेंट में पिछड़ना, मॉडल्स को अपडेट करने में देरी, छोटे शहरों में डीलरशिप का अभाव और भारतीय टैक्स संरचना जैसे कई कारण बताए जा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, रेनो की बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज हुई है। यह वित्त वर्ष 2022-23 की 78,926 से 2023-24 में गिरकर 45,439 रह गई और 2024-25 में 37,900 पर आ पहुंची। स्कोडा की बिक्री में भी 2022-23 की 52,269 बिक्री के मुकाबले 2023-24 में 44,522 रह गई, लेकिन 2024-25 में थोड़ा इजाफा होकर 44,866 पर पहुंच गई। फॉक्सवैगन की बिक्री 2023-24 की 43,197 से घटकर 2024-25 में घटकर 42,230 हो गई, जबकि 2022-23 में यह 41,263 थी। जाटो डायनेमिक्स के अध्यक्ष रवि भाटिया ने बताया, रेनो, स्कोडा और फॉक्सवैगन को भारत में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों ने शुरू में वेंटो, रैपिड और स्काला जैसी सेडान कारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया, जिससे तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट तक उनकी पहुंच सीमित हो गई। इसके अलावा ये कंपनियां मौजूदा मॉडल्स को अपडेट करने में धीमे थे। कई मॉडल लंबे समय तक अपरिवर्तित रहे। रिपोर्ट में बिक्री में गिरावट के लिए नेटवर्क की पहुंच सीमित होने का भी कारण बताया है, खासकर टियर 2 और टियर 3 बाजारों में, जिससे व्यापक ग्राहकों तक पहुंच सीमित हो गई है।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नजर रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण

और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लू की नई रिलीज तारीख का ऐलान, नया पोस्टर जारी

पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु की रिलीज डेट को कई बार टालने के बाद अब इसकी नई तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिसे जान फैंस खुशी से झूम उठेंगे। यह फिल्म अब बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आइए जानते हैं निर्माताओं ने इस फिल्म के रिलीज की नई डेट क्या बताई है।

'हरि हर वीर मल्लु फिल्म के लिए अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है। पवन कल्याण अभिनीत यह फिल्म सिनेमाघरों में 24 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म के जारी हुए पोस्टर में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं, जो युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। वहीं पवन कल्याण माथे पर तिलक और गले में गमछा डाले दिख रहे हैं। पोस्टर पर चारों तरफ युद्ध का मंजर नजर आ रहा, जिसमें तोप और भाला लिए सैनिक दिख रहे हैं। यह फिल्म वर्ल्डवाइड पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

पवन कल्याण की आगामी फिल्म हरि हर वीर मल्लु की रिलीज डेट को कई बार टाला जा चुका है। इस फिल्म को पहले 9 मई और 12 जून को रिलीज होना था। इसके बाद 25 जून को भी रिलीज होने की खबरों के बाद अब रिलीज तारीख का आधिकारिक एलान हो चुका है।

हरि हर वीर मल्लु का निर्देशन कृष जगरलामुदी और एएम ज्योति कृष्णा ने किया है। कहानी 17वीं सदी के मुगल काल में वीरा मल्लू नाम के एक विद्रोही डाकू के जीवन पर आधारित है। फिल्म में पवन कल्याण के साथ निधि अग्रवाल, बॉबी देओल, नरगिस फाखरी, नोरा फतेही, सत्यराज, अनसूया भारद्वाज जैसे कलाकार मौजूद हैं।

अभिषेक बच्चन को एक बच्चे से मिली जिंदगी की बड़ी सीख, जूनियर बच्चन की कालीधर लापता का शानदार ट्रेलर रिलीज

अभिषेक बच्चन इन दिनों रियलिस्टिक सिनेमा में पकड़ बना रहे हैं और लोग उन्हें इस तरह के रोल में पसंद भी करते हैं. उनकी पिछली दो फिल्में आई वांट टू टॉक, और बी हैप्पी बहुत ही सिंपल और आम लोगों से जुड़ने वाली कहानियां थीं. जिनमें उनका आम सा दिखने वाला कैरेक्टर जिंदगी की बड़ी सीख दे जाता है. इन दोनों ही फिल्मों को लोगों ने पसंद किया, खासकर अभिषेक की एक्टिंग को सराहना मिली. अब एक बार फिर से जूनियर बच्चन एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो आपके दिल को छू जाएगी. फिल्म का नाम है- कालीधर लापता, इसकी एक झलक आप इसके ट्रेलर में देख सकते हैं.

अभिषेक बच्चन स्टारर कालीधर लापता का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया. फिल्म का ट्रेलर शानदार और दिल को छूने वाला है. क्योंकि अभिषेक इस फिल्म में किसी नामी आदमी या ओवर अचीवर से नहीं बल्कि एक बच्चे से जिंदगी जीना सीख रहे हैं. दरअसल किसी वजह से परेशान होकर अभिषेक का किरदार कालीधर अपना घर छोड़कर चला जाता है, बाहर उसे एक 12-13 साल का बच्चा मिलता है जो उसे जिंदगी की छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढना सीखाता है. साथ ही उसे खुद के लिए जीने के लिए इंस्पायर करता है. कालीधर के घरवाले उसे ढूंढने की कोशिश करते हैं लेकिन वह यह जानते हुए भी घर नहीं जाना जाता है. तो कैसे एक अपनो को छोड़कर एक अजनबी बच्चे संग कालीधर अपनी एक अलग दुनिया बसाता है यही उसकी कहानी है. ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दिल को छूते हैं जैसे बच्चा कहता है- हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है, अब से अपने लिए जीना सीखो, वो करो जो तुम्हारा मन करे. जिसके बाद कालीधर हर वो छोटी छोटी चीजें करता है जो वो कभी करना चाहता था. ट्रेलर में कॉमेडी, ड्रामा, सस्पेंस, इमोशन सबकुछ देखने को मिलेगा. अभिषेक ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए कहा, कभी-कभी लाइफ में दूसरा मौका मिलने लगता है और यही वह समय होता है जब सबसे अलग एक्सपीरियंस और रिश्ते बनते हैं. उन्होंने फिल्म को एक दिल को छू लेने वाली स्लाइस-ऑफ-लाइफ फिल्म भी कहा. कहानी, म्यूजिक और डायलॉग के साथ फिल्म की कास्ट भी बेहतरीन है. अभिषेक बच्चन, कालीधर का किरदार निभा रहे हैं वहीं दैविक बगेला (बल्लू) और जीशान अय्युब अहम रोल में हैं. फिल्म को मधुमिता ने निर्देशित की है और जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस की है. कालीधर लापता 4 जुलाई को जी5 पर प्रीमियर होने वाली है. अभिषेक हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आए जो अभी सिनेमाघरों में चल रही है.

पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में कंगना शर्मा ने बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा ने एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. हाल ही में उन्होंने पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में अपनी कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं. इस बोल्ड ड्रेस में उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अवतार फैंस को बेहद पसंद आ रहा है. इस पिंक बॉडीकॉन ड्रेस में मोतियों और शाइनी डिटेलिंग के साथ वन-शोल्डर डिजाइन और कटआउट पैटर्न उनके ग्लैमर को और भी बढ़ा रहा है. कंगना ने अपने लुक को मिनिमल ज्वेलरी, न्यूड पिंक मेकअप और सॉफ्ट वेव हेयरस्टाइल से कंप्लीट किया है. उनके इस ग्लैम लुक को सोशल मीडिया यूजर्स से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा -दिवा , तो दूसरे ने कहा -बहुत सुन्दर चित्र कंगना दीदी जी . कंगना शर्मा हमेशा से ही अपने बोल्ड फैशन चॉइस और स्टाइलिश अपीयरेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं. उनका यह लेटेस्ट लुक इस बात का प्रमाण है कि वह किसी भी रेड कार्पेट या फोटोशूट को अपने आत्मविश्वास और ग्रेस से चमका सकती हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना शर्मा म्यूजिक वीडियो और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में सक्रिय हैं और अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं. उनका यह स्टनिंग लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह फैशन और फोटोजेनिक अपील के मामले में पीछे नहीं हैं.

फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में हुई नीरू बाजवा एंट्री, निभाएगी अजय देवगन की पत्नी का किरदार

अजय देवगन पिछली बार फिल्म रेड 2 में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब अजय जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म में अजय के साथ मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, लेकिन क्या आप जानते हैं फिल्म में अजय की पत्नी की भूमिका निभाने के लिए किसी और अभिनेत्री को चुना गया है। सन ऑफ सरदार 2 में अजय की पत्नी की भूमिका मृणाल नहीं, बल्कि पंजाबी अभिनेत्री नीरू बाजवा निभाने वाली हैं। इससे पहले नीरू ने मिले ना मिले हम, मैं सोलह बरस की, प्रिंस और फूंक 2 जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है। बता दें नीरू को सरदारजी, जट्ट एंड जूलियट और शुक्राना जैसी पंजाबी फिल्मों के लिए जाना जाता है। अब नीरू फिल्म सरदारजी 3 में नजर आएंगी। उनकी यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सन ऑफ सरदार 2 को 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। विजय कुमार अरोड़ा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। अजय इस फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर कर रहे हैं। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 साल 2012 में आई फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अश्वनी धीर इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

दुनिया की 5 सबसे सुंदर तितलियां, जिनका है अनोखा रंग और डिजाइन

तितलियां अपनी सुंदरता और आकर्षण के लिए जानी जाती हैं। उनके रंग-बिरंगे पंख और अनोखे डिजाइन उन्हें खास बनाते हैं। दुनिया में कई तरह की तितलियां पाई जाती हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं, जो अपने अनोखे रंग और डिजाइन के कारण बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। इन तितलियों की सुंदरता देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो सकता है। आइए आज कुछ ऐसी तितलियों के बारे में जानते हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

ब्लू मॉर्फो तितली

ब्लू मॉर्फो तितली अपने चमकीले नीले पंखों के लिए मशहूर है। यह तितली मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण अमेरिका के गर्म जंगलों में पाई जाती है। इसके पंखों का नीला रंग सूरज की रोशनी में चमकता है, जिससे यह और भी आकर्षक लगती है। ब्लू मॉर्फो तितली का आकार बड़ा होता है और यह लगभग 6 इंच तक फैल सकती है। इसके अलावा यह तितली अपने अनोखे रंग और डिजाइन के कारण बहुत ही खूबसूरत लगती है।

पीकॉक तितली

पीकॉक तितली पीकॉक तितली अपने मोर के समान डिजाइन के कारण जानी जाती है। इसके पंखों पर आंखों जैसे निशान होते हैं, जो इसे एक खास लुक देते हैं। यह तितली यूरोप और एशिया के जंगलों में पाई जाती है और गर्मियों के दौरान सक्रिय रहती है। पीकॉक तितली का रंग गहरा नीला होता है, जिसमें लाल और नारंगी रंग के निशान होते हैं, जो इसे और भी सुंदर बनाते हैं।

मोनार्क तितली

मोनार्क तितली अपने नारंगी और काले रंग के पंखों के कारण बहुत ही आकर्षक लगती है। यह तितली उत्तरी अमेरिका में पाई जाती है और सर्दियों के दौरान मैक्सिको आती है। मोनार्क तितली अपने लंबे सफर के लिए जानी जाती है, जहां वह हजारों किलोमीटर दूर जाकर अपनी नस्ल बढ़ाती है। इसके अलावा यह तितली अपने खूबसूरत रंगों और डिजाइन के कारण भी बहुत लोकप्रिय है।

स्वैलोटेल तितली

स्वैलोटेल तितली अपने लंबे पूंछ वाले पंखों के लिए जानी जाती है, जो इसे एक अनोखा लुक देते हैं। यह तितली दुनियाभर में पाई जाती है, लेकिन इसकी पूंछ वाली प्रजातियां भारत समेत दक्षिण एशिया में अधिक पाई जाती हैं। स्वैलोटेल तितली के पंखों पर नीले, हरे और काले रंग के निशान होते हैं, जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। इसके अलावा यह तितली अपने अनोखे आकार और डिजाइन के कारण भी बहुत सुंदर लगती है।

भारतीय सिनेमा में पहली बार एक सीए की जिंदगी पर बनी फिल्म वेल डन सीए साहब, 27 जून को होगी रिलीज़

भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों के इतिहास में पहली बार कोई फिल्म एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की जिंदगी पर आधारित है। न कोई बड़ा सुपरस्टार, न करोड़ों की मार्केटिंग फिर भी यह फिल्म चर्चा में है। जुनून और ईमानदारी के साथ बनी यह फिल्म है 'वेल डन सीए साहब, जो 27 जून, 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है।

यह फिल्म सिर्फ एक और कंटेंट वाली फिल्म नहीं है, बल्कि उन लाखों युवाओं को श्रद्धांजलि है जो दिन-रात सीए बनने की कठिन जंग लड़ते हैं। परीक्षा के दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और आत्म-संदेह की लड़ाई इस फिल्म में हर एक भावना को सजीव किया गया है।

इस फिल्म को लिखा और प्रोड्यूस किया है एक वास्तविक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने—सीए आदित्य त्रिवेदी ने। जब बाकी सीए टैक्स और बैलेंस शीट में उलझे रहते हैं, तब आदित्य ने अपने अनुभवों को कहानी में ढालकर 'कथा बना दी। निर्देशन और एडिटिंग की कमान संभाली है सर्वेश कुमार सिंह ने।

गोपाल दत्त -जो अपने सहज अभिनय से हर किरदार में जान डालते हैं : सयानदीप सेनगुप्ता, निश्मा सोनी, ज्योति कपूर, गौरव पासवाला, हर किरदार इतना सटीक है, जैसे टीडीएस रिटर्न में पैन नंबर फिट हो जाए!

फिल्म के संगीतकार हैं संचित बलहारा, जो बाजीराव मस्तानी जैसे प्रोजेक्ट्स से पहचान बना चुके हैं। साउंड डिजाइन की जिम्मेदारी संभाली है समीरन दास ने जो पठान जैसी बड़ी फिल्मों में भी धमाल मचा चुके हैं। 'वेल डन सीए साहब की शूटिंग दिल से और दिल के आसपास हुई है मतलब लोकेशंस में वही रॉ, देसी टच है जो इसे ज़मीन से जोड़ता है। फिल्म को फिगर्स एंड फ्रेम्स एलएलपी ने प्रोड्यूस किया है, और इसमें इंडी प्रोडक्शंस का खास सहयोग रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सितारे जमीन पर ने पहले दिन कमाए 11.7 करोड़, दमदार शुरुआत से बढ़ी उम्मीदें

काफी समय से आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली, वहीं आमिर ने भी हमेशा की तरह अपनी उम्दा अदाकारी से लोगों का दिल जीत लिया है। इसके बावजूद भी फिल्म की पहले दिन की कमाई औसत रही। आइए जानें सितारे जमीन पर ने पहले दिन कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने रिलीज के पहले दिन यानी शुक्रवार को 11.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने हिंदी में 11.5 करोड़ रुपये, तमिल में 5 लाख रुपये और तेलुगू में 15 लाख रुपये कमाए हैं। हालांकि, ये शुरुआती आंकड़े हैं और आधिकारिक आंकड़े सामने आने के बाद उनमें थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वीकेंड पर सितारे जमीन पर कितनी कमाई करती है। सितारे जमीन पर में आमिर की जोड़ी पहली बार जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है। फिल्म में उनके काम को भी काफी सराहा जा रहा है। सितारे जमीन पर की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है। यह फिल्म फ्रांस की हिट फिल्म चैंपियंस का हिंदी रूपांतरण है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आरएस प्रसन्ना ने संभाली है। आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है।

International Yoga Day was celebrated on the theme "Yoga for One Earth - Yoga for One Health"

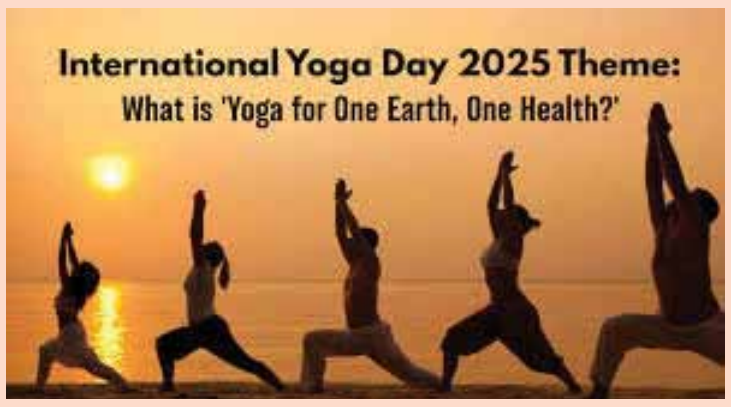

Raipur, Agriculture Minister Shri Ram Vichar Netam today participated in the mass yoga practice program organized at the playground of Swami Atmanand Hindi Medium School in Balrampur on the occasion of 11th International Yoga Day. In this yoga practice program, Collector Shri Rajendra Katara, Divisional Forest Officer Shri Alok Bajpai, District Panchayat CEO Nayantara Singh Tomar, District Panchayat Vice President Shri Dheeraj Singhdev, Municipal Council President Shri Lodhi Ram Ekka, eminent citizen Shri Omprakash Jaiswal and other local public representatives along with the general public practiced yoga. Yoga practice was conducted by yoga instructors from the district. In the mass yoga programme, people of all age groups including children, youths, women, enthusiastically practised different types of asanas and pranayama and inspired people to do yoga daily along with regular yoga. This year, everyone performed yoga with enthusiasm and new energy on the theme of "Yoga: Yoga for One Earth, One Health". Along with doing easy yoga operations, people also learnt the importance of yoga. Yoga is the best medium to keep one's body healthy. Yoga infuses new energy, which increases efficiency. On the occasion of World Yoga Day, all the people present took a pledge to include yoga activities in their daily routine. Agriculture Minister Shri Netam congratulated and wished the people of the district on the occasion of International Yoga Day. He said that in today's busy and stressful life, maintaining physical and mental health is becoming a big challenge. Due to the constant rush, anxiety and irregularity in the daily routine of life, man is suffering from many types of physical and mental diseases. In such a situation, yoga is such a practice, which provides balance to the body, mind, soul and brain. Today yoga is being celebrated not only in the country but also at the international level. He said that today people all over the world are benefiting by adopting yoga. Yoga is suitable for everyone, irrespective of the age group of the person. From children to the elderly, everyone can move towards a healthy life through yoga. Minister Shri Netam said that yoga is not limited to asanas or pranayama, but it promotes discipline, self-control and positivity. Our effort should be that Yoga Day is not limited to cities only, but it reaches every village, every town and every person. He asked people to consider yoga as an integral part of their daily life and include it in their daily routine. About 600 people participated in the district level program. In which, along with public representatives, officers and employees, school children and their parents also participated enthusiastically in this function. The yoga teacher conducted the practice of prayer, Tadasana, Vrikshasana, Padhastasan, Ardhachakrasana, Bhradasana, Vajrasana, Yoga Nidrasana, Makarasana and other yoga like Bhramari Pranayama and meditation. After the yoga program, Agriculture Minister Shri Netam distributed seed mini kits under the National Food Security and Nutrition Mission Scheme and planted a Maulshree plant under the "Ek Ped Maa Ke Naam" scheme in the high school ground premises.

Police's 'Drug Free India Fortnight' campaign: Awareness created among villagers and students

Dhamtari, Under the guidance of Superintendent of Police Suraj Singh Parihar, Dhamtari Police is continuously running a public awareness campaign under the Drug Free India Fortnight. In this sequence, on June 21, teams of Police Station Mechka and Police Outpost Karelibadi organized special awareness programs in remote forest villages Arsi Kanhar and Budeni-Hasda. Message of de-addiction in village Arsi Kanhar In a program organized in village Arsi Kanhar, police station in-charge Mechka gave detailed information to the villagers about the serious ill effects of drug addiction. He told that drug addiction destroys a person's ability to think and understand, which not only deteriorates his health, but also affects family, social and economic life. Drug addiction leads the youth to dangerous paths like crime, unemployment and suicide. During the program, the villagers were collectively sworn to stay away from drugs and were motivated to adopt a positive lifestyle. Cyber awareness given to students in Budeni-Hasda Vidyalaya The second program was held in the Government Higher Secondary School of Budeni and Hasda, in which the team of Karelibadi Police Station informed the students about drug eradication as well as being alert about cyber crimes. The students were told how online frauds like fake calls, OTP fraud, social media hacking and fake jobs or lottery can target them. They were also given the responsibility to remain alert and spread awareness about this. In the end, all the students and teachers were sworn in to stay away from drugs. This campaign of Dhamtari Police is not only an initiative to get rid of drugs, but is also a solid effort towards cyber security. Superintendent of Police Mr. Parihar informed that such awareness programs will continue continuously in other villages of the district as well.

There will be heavy rain again in Delhi-NCR today, Meteorological Department has issued yellow alert

New Delhi, Rain in Delhi-NCR has brought relief to people from the scorching heat. On the other hand, the India Meteorological Department has issued an alert for rain and thunderstorms on Sunday and Monday. The temperature of Delhi was recorded at 31 degrees Celsius at 7 am on Sunday, which is higher than the previous days. The maximum temperature is expected to be 35 degrees Celsius and the minimum temperature is expected to be 28 degrees Celsius. Apart from this, there is also a possibility of rain with thunder and lightning. During this time the wind can blow at a speed of 50-60 kilometers. Similar weather can remain on the minimum temperature Monday as well. Earlier on Saturday, it rained in the evening, and people got relief from the heat due to strong winds. The maximum temperature was recorded at 37.3 degrees Celsius, which was 1.3 degrees Celsius below normal. At the same time, was recorded at 27.8 degrees Celsius, which was 0.2 degrees Celsius below normal. The humidity level in the air was recorded at 84 to 56 percent. According to the Central Pollution Control Board, the average Air Quality Index (AQI) in Delhi was recorded at 6:30 am on Sunday. At the same time, the AQI was recorded at 77 in Faridabad, 72 in Gurugram, 68 in Ghaziabad and 86 in Greater Noida, the NCR city. Talking about Delhi areas, 76 in Alipur, 71 in Anand Vihar, 68 in Ashok Vihar, 68 in Aya Nagar, 74 in Bawana, 72 in Burari Crossing, 62 in Chandni Chowk, 74 in Mathura Road, 51 in Dr. Karni Singh Shooting Range, 96 in Dwarka Sector 8, 85 in DTU, 87 in Dilshad Garden, 55 in ITO, 52 in Lodhi Road, 53 in Major Dhyanchand Stadium, 51 in Mandir Marg, 69 in Najafgarh, 99 in Narela, 74 in North Campus DU and Vivek Vihar AQI was recorded at 72.

Monsoon activity has started a period of heavy rains, Meteorological Department has issued an alert

New Delhi, The period of heavy monsoon rains has started in many states of the country, while on the other hand, there is relief from the heat in North India as the mercury has come down. The temperature has also dropped due to cloud cover in some places. The Indian Meteorological Department (IMD) has predicted heavy rains in Madhya Pradesh, Sub-Himalayan West Bengal, Sikkim, Bihar, Andaman and Nicobar Islands, Jharkhand, Odisha, Vidarbha and Chhattisgarh on June 22. Due to the activity of monsoon, heavy rains occurred in many areas of Rajasthan on Saturday and very heavy rains were recorded at some places. In Jodhpur, a car slipped from a culvert amid heavy rains and fell into a 5 feet deep drain, killing 3 people. According to the Meteorological Center Jaipur, there is a possibility of heavy and normal rains in 22 districts including Bharatpur, Jaipur, Kota divisions on 22-23 June. The arrival of monsoon in many parts of Uttar Pradesh has started the rainy season, which has given relief to the people from the scorching heat. The Meteorological Department has predicted heavy rains from Purvanchal to West and Bundelkhand. Monsoon has become fully active in Bihar as well. There is an alert of torrential rain with thunder and lightning in the state on Sunday as well. On the other hand, there is a possibility of arrival of monsoon in Punjab as well.

Due to light rain on Saturday evening in Delhi NCR, the maximum temperature was recorded 2 degrees below normal at 34.5 degrees. The weather has become pleasant due to cold winds and cloud cover since Sunday morning. There are chances of heavy and light rains during the day. This trend will continue intermittently till June 27. Amidst the constantly changing weather conditions, monsoon is expected to arrive in Delhi within 1-2 days. A rain alert has been issued in the hilly states of Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu and Kashmir. It has been raining in the mountainous regions of Uttarakhand since last night. Due to this, the Munsiyari-Milam highway connecting the China border in Pithoragarh was blocked due to a landslide. Traffic was disrupted due to a landslide near Gaurikund in Rudraprayag. An orange alert has been issued for very heavy rain in Dehradun, Nainital and nearby areas on Sunday and landslides may occur at some places.

Artists have depicted the life of Lokmata Ahilya in paintings

Korba, Special programs were organized across the country on the 300th birth anniversary of Punyashlok Ahilyabai Holkar. In this series, a special painting event was organized in Chhattisgarh by the South Central Zone Cultural Center Nagpur, an institution of the Ministry of Culture, Government of India. On the proposal of Sanskar Bharti Chhattisgarh, the Director of South Central Zone Cultural Center Nagpur, Mrs. Aastha Karlekar gladly approved an exhibition of 51 paintings based on the life of Lokmata Ahilyabai Holkar. Sanskar Bharti organized exhibitions at many places including Raipur, Korba, Bhilai, Rajnandgaon, Jashpur, Ramanujganj, Bilaspur. Thousands of people visited it. This exhibition was formally inaugurated by the famous artist of the state Padmashree Anuj Sharma MLA at Sanskar Mahotsav Raipur. On the closing occasion on 18 May 2025, famous cine artist Padmashree Manoj Joshi Mumbai praised this exhibition of Lokmata Ahilyabai. An exhibition was also held in Raigarh. In Bilaspur, this exhibition was visited by about 200 tribal students studying in 10th, 11th and 12th living in Kalyan Ashrams of the state. While talking on the character of Devi Ahilyabai, Ms. Sulabha Tai Deshpande, Joint General Secretary of Rashtriya Sevika Samiti, said that reading the biography of a great man in a book erodes his memory in a few days. This exhibition was held for seven days in Korba. The regional Sangh Shiksha Varg of Rashtriya Swayamsevak Sangh was going on here in which 700 youths understood and saw the life of Ahilyabai through the exhibition. The exhibition was visited by hundreds of intellectuals and businessmen of Korba, prominent among them was Mr. Lakhan Dewangan, Minister of Commerce, Industry and Labor, Government of Chhattisgarh. Hundreds of people also visited this exhibition in Bhilai Nagar. The final event of the display of this picture series of Ahilyabai Holkar was held in Korba on 12 June. The Chief Minister of the state Vishnu Dev Sai himself came to name a convention center in Korba after Lokmata Ahilyabai Holkar. This is the only auditorium in the state which has been named Punyashlok Ahilyabai Holkar Convention Center. On this occasion, while observing the exhibition of Ahilyabai Holkar made under the joint aegis of South Central Zone Cultural Center Nagpur and Sanskar Bharti Chhattisgarh, the Honorable Chief Minister said that I am seeing such a big exhibition on the life of Lokmata Ahilyabai for the first time in my life. The paintings of Ahilyabai Holkar have been prepared by Nirmalkar Mahasamund, Kalyani Batwe Bilaspur, Khushi Chaudhary Raipur, Rajendra Rao Raut Kondagaon, Ankita Raut Kondagaon, Shital Sharma Raipur, Sandeep Kumar Sarathi Katghora, Chandan Kumar Bilaspur, Harsh Rajak Bilaspur, Richa Tejas Raipur, Awadh Ram Kanwar Kurud, Kamini Sahu Bilaspur, Aanchal Yadav Bilaspur, Swati Devang Pandya Raigarh,

A speeding mini truck broke the divider in Delhi and crushed several people, condition critical

New Delhi, A road accident took place in Delhi on Saturday night, in which many people were injured. Actually, in North East Delhi, a speeding mini truck broke the grill of the divider and hit a car parked on the side of the road. Not only this, it also crushed the women and children standing there. After the incident, the injured were taken to Jag Pravesh Hospital, where seeing their critical condition, they were referred to LNJP Hospital. It was told that the incident happened around 11 pm on Saturday night. According to people, the speeding mini truck suddenly went out of control on Seelampur Bazaar Road. After this, the mini truck broke the divider grill and hit the car and the women and children present there also got hit. People present nearby caught the truck driver and informed the police. 4-5 people have been injured in the accident, including women and children. The police reached the spot and registered a case against the truck driver and arrested him. The truck present at the spot was also seized. People said that if this mini truck had not hit the car first, many people would have died on the spot. They say that the speed of the truck was the main reason for the accident. At present, the police is taking further action in the case.

Lakhs of rupees were defrauded from Patwari's husband by posing as a fake officer, chat of the accused with DSP rank officer goes viral

Raipur, . The troubles of Hasan Abidi, who cheated the husband of a female Patwari of lakhs by claiming to be an ACB/EOW officer, are increasing. Now in this case, his WhatsApp chat with a DSP rank officer has surfaced, which makes it clear that there was collusion between the two in this game of extortion. According to sources, this chat is being told between 15 October to 22 December 2024. In the viral chat, Hasan talks to the DSP about looking into a case related to a female Patwari, to which the DSP replies by writing 'OK'. Apart from this, objectionable things have also been written by the DSP about his own department in the conversation, to which Hasan replies sarcastically that it does not matter, scold everyone when you become SSP, to which the officer again writes 'OK'. According to the information, the officer whose conversation has come to the fore has previously been posted in an important wing of the department and he had good access to the then administration. Meanwhile, after the police remand ended, Hasan Abidi has been sent to judicial custody. Hasan is accused of misleading people by showing himself as influential through social media. Photos with many big leaders and officers are also going viral on his profile. Not only this, Hasan had also cited a fake complaint letter in the name of ED Director in a post. It is being told that he used to blackmail land traders, property dealers and government employees in this way by threatening fake cases. Now in this entire matter, the viral chat has raised serious questions on the working style of the police department and the role of the officers.

Chhattisgarh State Disaster Management Authority formed, Chief Minister will be its chairman

Raipur, The state government has constituted the Chhattisgarh State Disaster Management Authority. Chief Minister Vishnudev Sai will be the ex-officio chairman of this newly formed authority, while Revenue Minister Tankaram Verma has been made the vice-chairman. The chairman will nominate two members from among the MLAs or MPs of Chhattisgarh in the authority. Apart from this, the Chief Secretary has been made the Chief Executive Officer-Member and the Relief Commissioner has been given the responsibility of ex-officio Member Secretary. A distinguished citizen having experience in the field of disaster management will also be nominated by the chairman in the authority. Along with this, two officers of the level of Additional Chief Secretary, Principal Secretary or Secretary will also be nominated by the chairman. According to the order issued by the Revenue Department, the meetings of the authority will be called by fixing the time and place as per the requirement, which will be presided over by the chairman himself. Each member will have the right to one vote. Decisions will be taken by majority. If the votes are equal, the decision of the chairman will be considered decisive. The notice of the meeting will be sent at least seven days in advance with the signature of the secretary. At least 50 percent of the members should be present for the validity of the meeting. If this does not happen, the meeting can be postponed for two hours and there will be no obligation of quorum in the re-convened meeting. The office of the Relief Commissioner will be the secretariat of the authority. The authority will have all the rights and responsibilities conferred under the Disaster Management Act. Non-official members will get the benefit of travel and other allowances as per the rules of the State Government.